PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 177 ● भिलाई, सोमवार 19 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

अल-फलाह यूनिवर्सिटी की 140 करोड़ की संपत्तियां अटैच की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ी संपत्तियों को अटैच कर दिया। इसमें यूनिवर्सिटी की इमारतें, स्कूल और विभागों की बिल्डिंग्स, हॉस्टल और धौज क्षेत्र की 54 एकड़ जमीन शामिल है, जिनकी कीमत करीब 140 करोड़ रुपए है। ईडी ने इन्हें अपराध की आय की श्रेणी में रखा है और कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई है। साथ ही यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी और उसके ट्रस्ट के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई है। यूनिवर्सिटी का नाम दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़ा था, जिसमें डॉक्टर उमर उन नबी ने 10 नवंबर को लाल किले के पास कार में धमाका किया था, जिससे 15 लोग मारे गए। ईडी ने बताया कि यूनिवर्सिटी और उसके ट्रस्ट ने झूठी मान्यता और पहचान का दावा कर छात्रों और अभिभावकों को धोखे में रखा और इस तरह 415.10 करोड़ रुपए की अपराध की आय अर्जित की।

विजिबिलिटी शून्य,एक्यूआई 450 के पार...

नोएडा। सुबह दिल्ली और एनसीआर के लोगों को एक बार फिर जबरदस्त घने कोहरे का सामना करना पड़ा। हालात ऐसे रहे कि कई इलाकों में विजिबिलिटी लगभग शून्य तक पहुंच गई। सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया, वहीं वाहन चालकों को धीमी रफ्तार में सफर करना पड़ा। कई इलाकों में एक्यूआई 450 से ऊपर पहुंचने के कारण हवा बेहद जहरीली श्रेणी में बनी हुई है। प्रदूषण के लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुए प्रशासन ने एक बार फिर ग्रेप- 3 के नियमों को सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है। निर्माण गतिविधियों पर रोक, डीजल वाहनों पर प्रतिबंध और औद्योगिक इकाइयों की निगरानी बढ़ा दी गई है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार सुबह के समय घना कोहरा दर्ज किया गया और तापमान अधिकतम 22 डिग्री और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। कोहरे के साथ-साथ प्रदूषण ने भी एनसीआर की परेशानी बढ़ा दी है।

10 करोड़ रुपए दो, नहीं तो मिट्टी में मिला देंगे ,सिंगर बी प्राक को लॉरेंस गैंग ने दी जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। मशहूर बॉलीवुड सिंगर बी प्राक को बिश्नोई गैंग ने जान से मारने की धमकी दी। बिश्नोई गैंग ने बी प्राक से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। गैंग ने सिंगर बी प्राक के साथी दिलनूर को कॉल करके 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। गैंग ने एक हफ्ते में पैसे देने के लिए कहा है। इस मामले में मोहाली में शिकायत दर्ज कराई गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मांगने वाले कॉलर ने खुद का नाम आरजू बिश्नोई बताया है। बी प्राक को दी गई धमकी में कहा गया है कि 10 करोड़ रुपए दो, नहीं तो मिट्टी में मिला देंगे।

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर बवाल

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का स्नान करने से इनकार...

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रयागराज में संगम तट पर मौनी अमावस्या के स्नान के दौरान रविवार को बवाल हो गया. शंकरचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने स्नान करने से इनकार कर दिया. उन्होंने शिष्यों के साथ मारपीट का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके शिष्यों के साथ धक्का-मुक्की की. उनके साथ बदसलूकी की गई. उन्हें स्नान से रोका गया. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वे बिना स्नान अब वापस जा रहे हैं. के कारण संगम तट पर श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ थी. इस कारण ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रशासन ने रोका गया. भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने शंकराचार्य से रथ से उतरकर तट तक पैदल जाने का आग्रह किया. आग्रह के बावजूद शंकराचार्य के समर्थक और भक्त नहीं माने और आगे बढ़ने लगे. इससे उनकी पुलिस के साथ हुई धक्का-मुक्की और झड़प हुई. फ्लिहाल शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का जुलूस अभी रुका हुआ है. पुलिस और प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर मौजूद हैं. मौनी अमावस्या के स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई. योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करवाई. श्रद्धालुओं और साधु संतों पर पुष्प वर्षा करवाई गई. पुष्प वर्षा कर योगी सरकार ने सनातन की आस्था का सम्मान किया. पुष्प वर्षा से श्रद्धालु और साधु संत गदगद नजर आए. माघ मेले का तीसरा और सबसे बड़ा स्नान मौनी अमावस्या के दिन होता है. ऐसे में बड़ी संख्या में वहां श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. रविवार सुबह घने कोहरे और ठंड के मौसम के बीच मौनी अमावस्या के मौके पर पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम घाट आए. इस बीच मौनी अमावस्या के अवसर पर धार्मिक नगरी हरिद्वार, वाराणसी और प्रयागराज में आस्था का भव्य संगम देखने को मिल रहा है. कड़ाके की ठंड के बावजूद सुबह-सुबह लाखों की संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचे और पवित्र स्नान किया. सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच श्रद्धालु स्नान के बाद मंदिरों में दर्शन-पूजन में लीन हैं. उधर, वाराणसी में भी मौनी अमावस्या के मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर पवित्र स्नान किया. एक महिला ने कहा कि यह कृष्ण पक्ष का नौवां दिन, मौनी अमावस्या है. इस दिन लोग व्रत रखते हैं, अपनी हैसियत के हिसाब से दान करते हैं, पूजा करते हैं और प्रार्थना करते हैं. दशाश्वमेध घाट के तीर्थ पुरोहित विवेकानंद ने कहा कि माघ महीने के कृष्ण पक्ष में मौनी व्रत रखने वाले भक्त गंगा में अनुष्ठान करने आते हैं. गंगा में स्नान करने के बाद, वे पवित्र डुबकी लगाते हैं, अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देते हैं और उनकी शांति व कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं. बच्चे भी इन अनुष्ठानों में भक्ति भाव से भाग लेते हैं.

अविमुक्तेश्वरानंद के लिए अखिलेश ने खोला मोर्चा, सीएम योगी पर पर बोला हमला, कहा- दिव्य-भव्य'से पहले 'सभ्य' बनें

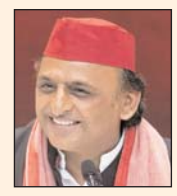

प्रयागराज में मौनी अमावस्या के मौके पर संगम तट पर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों और पुलिस कर्मियों के बीच बहस हो गई। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने पुलिस प्रशासन पर बदसलूकी, शिष्यों के साथ धक्का मुक्की और मारपीट के आरोप लगाए और बिना स्नान किए ही अपनी पालकी लेकर अखाड़े में लौट गए। इस घटनाक्रम को लेकर अब उत्तर प्रदेश की सियासत भी गरमाने लगी है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जिससे सूबे में सियासी पारा चढ़ने के आसार साफदिखाई देने लगे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने लिखा, माघ मेले के इलाके में साधुओं, भक्तों और तीर्थयात्रियों के साथ पिछले साल की तरह इस साल भी हुआ दुर्व्यवहार अक्षम्य है। शाही स्नान की सदियों पुरानी अटूट सनातनी परंपरा को पिछले साल इसी सरकार ने तोड़ा था। कन्नौज के सांसद ने सवालिया लहजे में लिखा, सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं सिर्फबीजेपी सरकार में ही क्यों हो रही हैं? क्या यह पहली बार है जब मौनी अमावस्या का शाही स्नान हो रहा है? इस स्थिति के लिए बीजेपी का कुशासन और नाकाम सिस्टम ज़िम्मेदार है। अखिलेश ने कहा कि 'मुख्य' को हर जगह 'मुख्य' बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अहंकारी बीजेपी सरकार और प्रशासन किसी को भी खुद से बड़ा नहीं समझते। अब क्या वे इसके लिए भी 'एआई' को दोष देंगे? अगर उत्तर प्रदेश के गृह सचिव मनमानी कर रहे हैं तो यह गलत है। और अगर वे किसी के कहने पर ऐसा कर रहे हैं तो यह और भी बुरा है। इसकी जांच होनी चाहिए! यह बहुत निंदनीय है!

एआर रहमान विवाद पर महबूबा मुफ्ती का बयान

अनुभवों को नकारने से सच्चाई नहीं बदलती-महबूबा मुफ्ती.....

नई दिल्ली। ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान हाल ही में सांप्रदायिक भेदभाव वाले बयान को लेकर विवादों में हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें पिछले आठ सालों में बॉलीवुड में कम अवसर मिले हैं और इस कमी के पीछे इंडस्ट्री में बढ़ती सांप्रदायिक प्रवृत्ति हो सकती है। इस पूरे विवाद में अब जम्मू और कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने ए.आर. रहमान के बयान पर असहमति जताई और इस बात पर जोर दिया कि इंडस्ट्री में उनको काफी सम्मान मिला है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक ओर जब जावेद अख्तर ए.आर. रहमान की बॉलीवुड में बढ़ती सांप्रदायिकता को लेकर चिंताओं को खारिज करते हैं, तो वहीं दूसरी ओर वह भारतीय मुसलमानों की वास्तविकताओं के साथ विरोधाभास पैदा करते हैं। महबूबा मुफ्ती ने अपने पोस्ट में जावेद अख्तर की पत्नी शबाना आजमी का जिक्र किया। उन्होंने कहा, शबाना आजमी ने खुलकर बताया था कि उन्हें मुस्लिम होने के कारण बॉम्बे जैसे आधुनिक और समावेशी शहर में घर मिलने से इनकार किया गया। महबूबा मुफ्ती ने आगे लिखा, बॉलीवुड हमेशा से एक ऐसा जीवंत 'मिनी इंडिया' रहा है, जो देश की सामाजिक वास्तविकताओं और विविधता को प्रतिबिंबित करता है। ऐसे अनुभवों को नकारना या हल्के में लेना, आज के भारत में मौजूद असमानताओं और चुनौतियों को बदल नहीं सकता।

गोवा में 2 रूसी महिलाओं की हत्या, दोनों का गला रेता-एक का शव दूर मिला; आरोपी गिरफ्तार

पणजी। गोवा में दो रूसी महिलाओं की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दोनों के शव बरामद किए गए, जिसके बाद पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड के आरोप में 37 वर्षीय रूसी नागरिक एलेक्सी लियोनोव को गिरफ्तार किया है। मृत महिलाओं की पहचान एलेना कस्थानोवा (37) और एलिना वानीवा (37) के रूप में हुई है। गोवा पुलिस के अनुसार, दोनों हत्याएं एक ही तरीके से की गईं। दोनों महिलाओं का चाकू से गला रेता गया था और उनके हाथ पीछे की ओर रस्सी से बंधे हुए थे।

कर्मचारी ने डुप्लीकेट चाबी से उड़ाए लाखों

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी के घर चोरी

नई दिल्ली/ एजेंसी

मशहूर गायक और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी के मुंबई स्थित घर में लाखों की चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। करीब दो साल पहले नौकरी से निकाले गए एक पूर्व कर्मचारी ने बनावटी चाबियों के जरिए बेडरूम की अलमारी से नकदी साफ कर दी, जिसका खुलासा सीसीटीवी अलर्ट से हुआ। बीजेपी सांसद और प्रसिद्ध गायक मनोज तिवारी, जो दिल्ली की उत्तर-पूर्वी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनके मुंबई स्थित आवास में चोरी की वारदात हुई है। यह आवास मुंबई के पॉश इलाके अंधेरी पश्चिम के शास्त्रीनगर स्थित सुंदरबन अपार्टमेंट में है।

मुझे खुद के भारतीय होने पर गर्व

किसी को कभी दुख पहुंचाने की इच्छा नहीं-एआर रहमान

नई दिल्ली/ एजेंसी

संगीतकार एआर रहमान ने एक साक्षात्कार में की गई अपनी टिप्पणियों को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए भारत के प्रति अपनी अटूट निष्ठा व्यक्त की और अपने शब्दों के पीछे के इरादे को स्पष्ट किया। बॉलीवुड में कथित पूर्वाग्रह को लेकर चल रही सार्वजनिक बहस के केंद्र में रहे इस संगीतकार ने अपने बयान में अपने विचारों को स्पष्ट किया। बयान के साथ ही उन्होंने एक क्रिकेट मैच में गाए गए अपने गीत 'मां तुझे सलाम/वंदे मातरम' का फुटेज भी साझा किया, जो सांस्कृतिक क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित करता है। अपने वीडियो बयान में रहमान ने भारत को अपनी प्रेरणा और घर बताया और अपने जीवन में संगीत की एकता की भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, संगीत हमेशा से हमारी संस्कृति से जुड़ने, उसका जश्न मनाने और उसका सम्मान करने का मेरा ज़रिया रहा है। भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु और मेरा घर है। मैं समझता हूँ कि कभी-कभी इरादों को गलत समझा जा सकता है। लेकिन मेरा उद्देश्य हमेशा से संगीत के माध्यम से उत्थान, सम्मान और सेवा करना रहा है। मैंने कभी किसी को दुख पहुँचाने की इच्छा नहीं रखी और मुझे उम्मीद है कि मेरी ईमानदारी को समझा जा सकेगा। रहमान ने कलात्मक परियोजनाओं के माध्यम से भारत की विविधता का जश्न मनाने के अपने प्रयासों के उदाहरण प्रस्तुत किए।

ऑनलाइन गेमिंग कानून के तहत केंद्र का बड़ा एक्शन, 242 सट्टेबाजी और जुए वाली वेबसाइट्स को किया ब्लॉक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नए ऑनलाइन गेमिंग कानून के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 242 ऑनलाइन बेटिंग और जुए से जुड़ी वेबसाइट्स को ब्लॉक कर दिया है। इन प्लेटफॉर्म्स पर अवैध रूप से ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ संचालित किया जा रहा था। सरकार द्वारा पिछले वर्ष लागू किए गए ऑनलाइन गेमिंग एक्ट के बाद यह एक अहम कदम माना जा रहा है। अब तक कुल 7800 से अधिक अवैध बेटिंग और गेम्बलिंग वेबसाइट्स को बंद किया जा चुका है। सरकार ने बीते साल ऑनलाइन गेमिंग एक्ट को पारित किया था, जिसका उद्देश्य अवैध सट्टेबाजी और जुए पर प्रभावी रोक लगाना है।

पेशा था, अब भेदभाव

10-12 साल में मिट जाएगा जातिवाद-मोहन भागवत.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

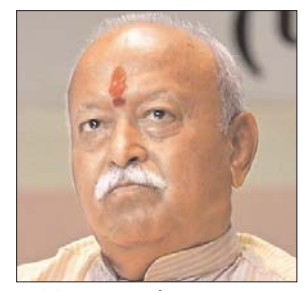

छत्रपति संभाजीनगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि अगर जातिगत भेदभाव को खत्म करना है तो सबसे पहले जाति को मन से मिटाना होगा। भागवत ने शनिवार को यहां आयोजित जन संगोष्ठी में कहा, पहले जाति का संबंध पेशे और काम से था, लेकिन बाद में इसने समाज में पैठ बना ली और भेदभाव का कारण बनी। यह संगोष्ठी आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित की गई थी, जिसमें उन्होंने जनता के साथ संवाद किया। प्रांत संघचालक अनिल भालेराव भी मंच पर उपस्थित थे। भागवत ने जातिवाद की समस्या पर बात करते हुए लोगों से अपील की कि वे इसे अपने मन से निकाल दें। उन्होंने कहा, इस भेदभाव को खत्म करने के लिए, जाति को मन से मिटाना होगा। यदि इसे ईमानदारी से किया जाता है, तो 10 से 12 वर्षों में जातिवाद समाप्त हो जाएगा। मौजूद लोगों के सवालों का जवाब देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि संघ का उद्देश्य भारत को इसका सर्वोत्तम गौरव दिलाना है, साथ ही समाज को भी साथ में लेकर चलना है। उन्होंने कहा कि संघ व्यक्ति के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए काम करता है और यह कोई प्रतिक्रिया के रूप में स्थापित संस्था नहीं है।, न ही यह किसी से प्रतिस्पर्धा करता है।

मुंबई में जीत, काजीरंगा में जश्न

असम में बोले मोदी-कांग्रेस ने देश का भरोसा खो दिया

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट की सबसे बड़ी पीड़ा हमेशा दूरी की रही है। दूरी दिलों की, दूरी स्थानों की। दशकों तक यहां के लोगों को ये महसूस होता रहा कि देश का विकास कहीं और हो रहा है और वे पीछे छूट रहे हैं। इसका असर केवल अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ा बल्कि भरोसे पर भी पड़ा। इस भावना को बदलने का काम भाजपा ने किया। डबल इंजन की सरकार ने नॉर्थ ईस्ट के विकास को प्राथमिकता बनाया। रोडवेज, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज के माध्यम से असम को जोड़ने का काम एक साथ शुरू हुआ। लेकिन कांग्रेस ने कभी इसकी परवाह नहीं की। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तो असम को बहुत कम रेल बजट मिलता था। लगभग 2000 करोड़ रुपये। अब भाजपा सरकार ने इसे बढ़ाकर लगभग 10,000 करोड़ रुपये सालाना कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब प्रकृति सुरक्षित होती है तो उसके साथ अवसर भी पैदा होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में काजीरंगा में पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। होम स्टे, गाइड सेवाएं, परिवहन, हस्त शिल्प और छोटे व्यवसायों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आय के नए साधन मिले हैं। आज मैं असम के आप लोगों की, यहां की सरकार की एक और बात के लिए खासतौर पर तारीफ करूंगा। एक समय था जब काजीरंगा में राइनो के शिकार की घटनाएं असम की सबसे बड़ी चिंता बन चुकी थी। 2013-14 में एक सींग वाले दर्जनों राइनो मारे गए। भाजपा सरकार ने तय किया था कि हम ये नहीं चलने देंगे, अब ऐसा नहीं चलेगा। हमने इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत किया, वन विभाग को आधुनिक संसाधन मिले, निगरानी तंत्र सशक्त हुआ, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई गई। इसका सुखद परिणाम भी सामने आया। 2025 में राइनो के शिकार की एक भी घटना सामने नहीं आई है। बीते कुछ समय में जितने भी चुनाव परिणाम आए हैं। उनका जनादेश स्पष्ट है। देश का वोटर आज गुड गवर्नेंस चाहता है, विकास चाहता है, वो विकास और विरासत दोनों पर फोकस करता है। इसलिए वो भाजपा को पसंद करता है... इन चुनावों का एक और संदेश है। कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को देश लगातार नकार रहा है। जिस मुंबई शहर में कांग्रेस का जन्म हुआ था वहां वो आज चौथे या पांचवें नंबर की पार्टी बन गई है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भाजपा पूरे देश में लोगों की पहली पसंद बन गई है। बीते एक-डेढ़ वर्षों से भाजपा पर देश का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में बिहार में चुनाव हुए। वहां 20 वर्ष बाद भी जनता ने भाजपा को रिकॉर्ड वोट दिए हैं। रिकॉर्ड सीटें जिताई हैं। दो दिन पहले ही महाराष्ट्र के बड़े शहरों में मेयर और पार्षदों के चुनाव परिणाम आए हैं। मुंबई जो दुनिया के सबसे बड़े निगमों में से एक है, वहां की जनता ने पहली बार भाजपा को रिकॉर्ड जनादेश दिया। जीत मुंबई में हो रही है, जश्न काजीरंगा में मनाया जा रहा है। महाराष्ट्र के अधिकतर शहरों की जनता ने भाजपा को सेवा का अवसर दिया है।

बिहार से केरल तक: भाजपा बनी पहली पसंद

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में देश के विभिन्न हिस्सों में भाजपा की चुनावी सफलताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बीते डेढ़ साल में जनता का भरोसा पार्टी पर लगातार बढ़ा है। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 20 वर्षों के शासन के बाद भी जनता ने भाजपा को रिकॉर्ड वोट और सीटें दी हैं। इसके साथ ही, उन्होंने दक्षिण भारत का जिक्र करते हुए बताया कि केरल की तिरुअनंतपुर में जनता ने पहली बार भाजपा का मेयर बनाकर सेवा का अवसर दिया है। पीएम ने कहा कि देश का वोटर अब केवल 'गुड गवर्नेंस' और 'विकास के साथ विरासत' चाहता है। काजीरंगा के साथ अपने व्यक्तिगत लगाव को साझा करते हुए पीएम मोदी ने इसे असम की आत्मा और भारत की जैव विविधता का अनमोल रत्न बताया।

राज्यपाल के गोद ग्राम टेमरी में समग्र विकास की दिशा में बड़ा कदम

बेमेतरा। महामहिम राज्यपाल रमेन डेका द्वारा गोद लिए गए ग्राम टेमरी में समग्र एवं सतत विकास की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल की गई। जिले के प्रभारी सचिव आर. प्रसन्ना, कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाई सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण ग्राम टेमरी पहुंचे और ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर गांव के सर्वांगीण विकास हेतु विशेष कार्य योजना एवं रणनीति पर विस्तृत परिचर्चा की। इस अवसर पर प्रभारी सचिव आर. प्रसन्ना ने स्पष्ट रूप से कहा कि महामहिम राज्यपाल की मंशा के अनुरूप ग्राम टेमरी को एक आदर्श एवं अग्रणी ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जाना है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए ठोस, समयबद्ध एवं परिणामोन्मुखी कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आजीविका मूलक गतिविधियां, महिला आजीविका संवर्धन एवं सामाजिक सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता में शामिल किया जाए।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर विशेष फोकस

प्रभारी सचिव ने कहा कि ग्राम में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, बच्चों की नियमित उपस्थिति, स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। स्वच्छता के क्षेत्र में गांव को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखने हेतु व्यक्ति गत एवं सामुदायिक शौचालयों के उपयोग, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

पखांजूरआजीविका एवं महिला सशक्तिकरण को मिलेगी नई दिशा

चर्चा के दौरान आजीविका मूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। प्रभारी सचिव ने कहा कि ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं के लिए स्वरोजगार एवं आयवर्धक गतिविधियों के अवसर सृजित किए जाएं। महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाते हुए उन्हें प्रशिक्षण, ऋण सुविधा एवं बाजार से जोड़ने की दिशा में प्रभावी कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल सुपोषण के लिए संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई तथा इसमें और बेहतर परिणाम लाने पर चर्चा की गई।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ

प्रभारी सचिव आर. प्रसन्ना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम टेमरी के सभी पात्र नागरिकों का आयुष्मान भारत कार्ड, राशन कार्ड, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष अभियान चलाकर कार्य किया जाए।

ग्रामीणों से सीधा संवाद, विकास की साझा रणनीति

चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं, सुझाव एवं अपेक्षाएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि उनकी आवश्यकताओं और सुझावों को कार्य योजना में शामिल किया जाएगा। गांव के निरंतर और संतुलित विकास के लिए प्रशासन एवं ग्रामीणों की साझा सहभागिता से आगे बढ़ने पर सहमति बनी। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सुप्रेमलता पद्माकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने ग्राम टेमरी को विकास के नए आयाम तक पहुंचाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। यह पहल ग्राम टेमरी को एक मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे आने वाले समय में अन्य ग्राम पंचायतों को भी प्रेरणा मिलेगी।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 23 वाहन चालको पर बेमेतरा पुलिस की सख्त कार्यवाही

23 प्रकरण में 8,400/- रूपये समन शुल्क

बेमेतरा। यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, बिना हेलमेट, मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 14 जनवरी 2026 को थाना खम्हरिया 02 चालान में 02 वाहन चालक, यातायात बेमेतरा 21 चालान में 21 वाहन चालक, कुल 23 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध 23

प्रकरण में 8,400/- रूपये समन शुल्क लिया गया। कार्यवाही के दौरान थाना/चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि मोहन साहू सहित यातायात पुलिस टीम शामिल रहे। यातायात बेमेतरा स्टॉफ ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, मोटर सायकल में मोडिफ्राइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना और नशे की हालत में वाहन न चलाना न केवल कानून का पालन है बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। बेमेतरा पुलिस आपकी सहायता के लिये है, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। पुलिस का यह विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

प्रज्ञा निर्वाणी ने गिधवा परसदा को रामसर साइट घोषित करने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र को लिखा पत्र

रामसर सूची में शामिल होने से जिले को मिलेगी वैश्विक पहचान : प्रज्ञा निर्वाणी

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के एकमात्र वेटलैंड (आद्र भूमि) गिधवा परसदा विदेशी पक्षी विहार को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में अहम पहल करते हुए भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नव-नियुक्त जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर इसे रामसर कन्वेंशन के अंतर्गत शामिल करने की मांग की है। प्रज्ञा निर्वाणी ने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रदेश में वर्तमान में केवल कोपरा जलाशय को ही रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है, जबकि गिधवा परसदा जैव विविधता, प्रवासी पक्षियों और पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय मानकों पर पूरी तरह खरा उतरता है। उन्होंने कहा कि गिधवा परसदा जिले की इकोलॉजिकल लाइफलाइन है। रामसर साइट घोषित होने से इसे वैश्विक संरक्षण प्राप्त होगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को भी मजबूती मिलेगी। इस पूरे प्रयास में महिला शक्ति अग्रणी भूमिका निभाएगी।

रामसर दर्जे से क्या बदलेगा

रामसर पैक्ट एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1971 में ईरान के रामसर शहर में हुई थी। इसका उद्देश्य झील, तालाब, दलदल और पक्षी विहार जैसी आद्र भूमियों का संरक्षण करना है। रामसर सूची में शामिल होने से गिधवा परसदा वैश्विक वेटलैंड नेटवर्क का हिस्सा बनेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों, शोधकर्ताओं और पर्यावरण संस्थाओं की सं यता बढ़ेगी और यह क्षेत्र जिले के प्रमुख इको-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित हो सकेगा। वेटलैंड ऐसे क्षेत्र होते हैं जहां सतही या भूमिगत जल की निरंतर उपस्थिति रहती है। ये क्षेत्र बाढ़ नियंत्रण, भूजल रिचार्ज, जल शुद्धिकरण और जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वेटलैंड के प्रमुख लाभ

वेटलैंड भूजल स्तर बनाए रखने में सहायक होते हैं, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करते हैं, प्रवासी पक्षियों को प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं तथा स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण के साथ-साथ इको-टूरिज्म और रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करते हैं।

'वुमन फॉर वेटलैंड' : महिला नेतृत्व में अभियान

प्रज्ञा निर्वाणी ने बताया कि वेटलैंड संरक्षण और जन-जागरूकता के उद्देश्य से जिले में 'वुमन फॉर वेटलैंड' अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके तहत ग्रामीण और शहरी महिलाओं को आद्र भूमि संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कोपरा जलाशय संरक्षण में कार्यरत संस्था परिमल प्रयास के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आद्र भूमि संरक्षण के क्षेत्र में संस्था के अनुभवों को जिले में लागू किया जाएगा। इसके लिए मंडल स्तर पर सेमिनार आयोजित कर महिलाओं और युवतियों को अभियान से जोड़ा जाएगा। गिधवा परसदा को रामसर दर्जा मिलने से जिले में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ इको-टूरिज्म को नई दिशा मिलने की संभावना है।

भद्रकाली तालाब में होंगे गंगा महाआरती 22 जनवरी को

बेमेतरा। गंगा महारती के तीसरे वर्ष के अवसर पर इस वर्ष भी भव्य गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। यह महाआरती 22 जनवरी को माँ भद्रकाली तालाब में श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न होगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने आयोजन स्थल माँ भद्रकाली तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि गंगा महारती धार्मिक

आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना का भी प्रतीक है। तीसरे वर्ष के इस आयोजन को और अधिक भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप में संपन्न कराने के लिए नगर पालिका द्वारा सभी आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर महाआरती में सहभागी बनने की अपील भी की इस अवसर पर माँ कालिका समिति सदस्य अमरीका निर्मलकर किसान नेता हर्षवर्धन तिवारी गौरव साहू आकिब मालकानी विजय लखानी सहित भाजपा नेता उपस्थित रहे।

डौण्डी में 1266 किसानों ने अब तक 13 करोड़ 58 लाख 33 हजार रूपये से अधिक की राशि के 53 हजार 144 क्विंटल धान की बिक्री

दल्लीराजहरा। विकासखण्ड मुख्यालय डौण्डी में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। धान खरीदी केन्द्र डौण्डी में 1266 किसानों के द्वारा अब तक 13 करोड़ 58 लाख 33 हजार रूपये से अधिक की राशि के 53 हजार 144 क्विंटल 80 किलो धान की बिक्री कर ली गई है। धान खरीदी की अंतिम तिथि 31 जनवरी तक धान बिक्री हेतु शेष रह गए किसानों का शत प्रतिशत धान की खरीदी सुनिश्चित करने हेतु सभी व्यवस्थाएं कर ली गई है। नोडल अधिकारी एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले ने बताया कि धान खरीदी केन्द्र डौण्डी के अंतर्गत शामिल गांवों के 907 किसानों के द्वारा 315.48 हेक्टेयर का रकबा समर्पण किया गया है।

उन्होंने बताया कि धान खरीदी केन्द्र डौण्डी में धान बिक्री हेतु शेष रह गए शत प्रतिशत कृषकों के धान की खरीदी के अलावा अवैध धान की रोकथाम हेतु भी पुख्ता व्यवस्था क गई है। राजस्व, खाद्य एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के अलावा निगरानी दल में शामिल अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा धान खरीदी के कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

ई-अटेंडेंस के खिलाफ शिक्षकों की 17 जनवरी के आंदोलन को पूर्ण समर्थन : शंकर साहू

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू, प्रदेश सचिव अशोक कुमार ने सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन छ. ग. द्वारा 17 जनवरी के एक दिवसीय आंदोलन का समर्थन किया है। प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने कहा कि मोदी के गारंटी एवं एल. बी. संवर्ग के शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करके समस्त लाभ देने की बात हम कर रहे है, हमारा संगठन फेडरेशन के निम्न मांगो का समर्थन करते है- एल. बी. संवर्ग के शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना कर क्रमोन्नत वेतनमान प्रदान करते हुए सरकार समस्त लाभ प्रदान किया जाये। वर्षों से लंबित सहायक शिक्षक साथियों के वेतन विसंगति दूर किया जाये। प्रदेश में कार्यरत एल. बी. संवर्ग के शिक्षकों के उपस्थिति के लिए वी.एस.के. एप की अनिवार्यता बंद किया जाये, सरकार को उपस्थिति लेनी है तो बायोमेट्रीक मशीन से उपस्थिति ले। टी.ई.टी.की अनिवार्यता

समाप्त करके सरकार आवश्यक पहल निकाले। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश संरक्षक रेखराज साहू, अनिल कुमार रामटेके, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र लाल देवदास, संजय कुमार मेहर, दीपक प्रकाश, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक हीना कश्यप, प्रदेश प्रवक्ता- हेमलता बढ़ाई, प्रदेश मीडिया प्रभारी- रमेश कुमार साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष- प्रेमचंद सोनवानी, आनंद कुमार साहू, भुनेश्वरी सहारे,सूर्य लाल साहू, लीलाधर कोलियारे, प्रदेश महासचिव- भूपेंद्र कुमार साहू, रत्नाकर खूंटिया, अनुपमा सोनी, प्रदेश संगठन मंत्री अश्वनी कुमार देशलहरे, कमलकान्त नेताम, दुर्ग संभाग प्रभारी नरेंद्र कुमार साहू, सरगुजा संभाग प्रभारी व जशपुर जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव, मुंगेली जिला अध्यक्ष राजकुमार धृतलहरे, मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिला अध्यक्ष राजकुमार सरजारे, बस्तर जिला अध्यक्ष नीरज कुमार गौर, कोंडागांव जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार बेर के साथीगणों ने 04 सूत्रीय मांगो को पूरा कराने हेतु आंदोलन पर रहने हेतु अपनी सहमति प्रदान किये।

जिले के तीन दिव्यांगजनों को बैटरी चलित ट्रायसायकल का किया वितरण

कवर्धा। समाज कल्याण विभाग कबीरधाम द्वारा अस्थि बाधित तीन दिव्यांगजनों को बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्रायसायकल का वितरण किया गया। ग्राम बरबसपुर के पुन्नीदास, ग्राम महराटोला के रमेश पटेल तथा कैलाश नगर कवर्धा के युसुफ खान को यह ट्रायसायकल प्रदान की गई। मोटराइज्ड ट्रायसायकल मिलने से दिव्यांगजन अब आवागमन में अधिक सक्षम होंगे और दैनिक कार्यों में सुविधा प्राप्त करेंगे। वितरण कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, सभापति बिहारी राम धुर्वे, पार्षद सौखी अहिरवार, दीपक सिन्हा, बीर सिंह पटेल सहित

समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि दिव्यांगजन कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है।

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर सिंघौरी स्कूल में न्यौता भोजन

बेमेतरा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में मकर संक्रांति के पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। साथ ही साथ इस पर्व के उपलक्ष में शिक्षकों द्वारा मिलकर न्योता भोज का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें हलवा, तिल का लड्डू,दाल ,चावल और सब्जी फ्ल के रूप में केले परोसे गए। मकर संक्रांति की कहानी शिक्षकों द्वारा बच्चों को विस्तार से बताया गया। प्रधान पाठक सरस्वती साहू ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूँकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। । मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। मकर संक्रांति के दिन तिल के लड्डू का बहुत महत्व होता है इस दिन तिल का लड्डू खाना चाहिए और दान भी करनी चाहिए इस अवसर पर रामगोपाल चंद्राकर,राजेश गायकवाड, धनीराम बंजारे संकुल समन्वयक, शशि कला यादव,देवेंद्र साहू नुतेश्वर चंद्राकर,प्रशांत बघेल,पूनम कुमार साहू और किरण खरे उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों का आतंक, 16 दिनों में डॉग बाईट के 223 केस आये सामने

20 लोगो को काटकर घायल करने वाले कुत्ते को नारागांव के ग्रामीणों ने मारकर दफनाया, पीएचसी और सीएससी में नही है इमनोग्लोबिन उपलब्ध

बालोद। जिले में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। बीते 4 दिनों में डॉग बाईट के 25 से अधिक केस सामने आ चुके है, वही इस माह के कुल 16 दिनों में 223 मामले डॉग बाईट के सामने आए है। अधिकांश केस ग्रामीण अंचलों से सामने आये हैं। कुत्ते के काटने से ग्रामीणजन दहशत में हैं। बालोद जिले के नारागांव, नर्रा, बरही, कन्नेवाड़ा, करहीभदर, मुजगहन, सोरर, बोरी, खपरी, तार्री सहित अन्य गांवों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार जारी है। डॉग बाईट से पीड़ित घायलों का अलग अलग हॉस्पिटलों में इलाज किया गया है, सभी खतरे से बाहर है और सुरक्षित है। सभी की हालत ठीक बताई जा रही है। लगातार आ रहे डॉग बाईट के मामले से प्रशासन द्वारा अब तक कुत्ते को पकड़ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हालांकि गावों में ग्रामीणों के द्वारा अपने स्तर से मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है, लाठी डंडा पकड़कर कुत्ते को गांव से बाहर भगाया जा रहा हैं। शुक्रवार को नारागांव के ग्रामीणों ने पागल कुत्ते को मार गिराया हैं। मृतक पागल कुत्ते ने नारागांव, नर्रा, सांकरा, कन्नेवाडा, परेंगुड़ा सहित अन्य गांव के 23 लोगों को घायल किया था। बताया जा रहा है मरने से पहले कुत्ते ने नारागांव के तीन ग्रामीणों को कांटा था। ग्रामीणों द्वारा मृत कुत्ते को जमीन पर दफ्न किया गया है। वही घायल ग्रामीणों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

कुत्तों की तेज आवाज और लगातार भौंकने से माहौल भयभीत

उल्लेखनीय है कि शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। जिला मुख्यालय के अलावा नए बस स्टैंड परिसर सहित विभिन्न वार्डों में बेसहारा कुत्तों के झुंड दिन-रात घूमते देखे जा सकते हैं। वही इन दिनों ग्रामीण अंचलों में भी कुत्तों का झुंड आतंक मचाया हुआ है। ये कुत्ते राहगीरों, विशेषकर बाइक सवारों और पैदल चलने वालों को निशाना बना रहे हैं, जिससे आमजनों में दहशत का माहौल है। जिले में बीते डेढ़ साल में आवारा कुत्तों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। शहर के वार्डों और आउटर कालोनियों में रात के समय कुत्तों के डर से लोग घर से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। कई इलाकों में स्कूल जाने वाले बच्चों को कुत्ते दौड़ा लेते हैं, जिससे बच्चों में भय व्याप्त है। कुत्तों की तेज आवाज और लगातार भौंकने से माहौल भयभीत बना रहता है। इन घटनाओं के बावजूद न तो नगर पालिका और न ही अन्य नगर निकायों ने कोई ठोस कार्रवाई की है। लोगों की सुरक्षा खतरे में है, फिर भी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। लगातार सामने आ रहे मामलों को देखते हुए आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता है।

चौराहों और बाजारों में भी दहशत

नगर पालिका अंतर्गत विभिन्न वार्डों, सड़कों, गलियों और चौराहों में राहगीरों को कुत्ते दौड़ाते हुए जख्मी कर रहे हैं। इनके शिकार बच्चे, युवा, कर्मचारी और महिलाएं सभी हो रहे हैं। आवारा कुत्तों का सबसे ज्यादा आतंक नगर के शिकारीपारा, आमापारा, नया बस स्टैंड, बूढ़ापारा, रेलवे कालोनी, नयापारा और गंजपारा से औराभाठा जाने वाला मार्ग आदि है।

सावधानी बरतने और सतर्क रहने की अपील

सीएमएचओ जेएल उईके ने बताया कि अभी जो 4 दिनों में डॉग बाईट के 20 केस सामने आए है, वो ग्रेड 3 के केस है। इसका इलाज जिला अस्पताल सहित सभी प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। ग्रेड 3 के केस में इमनोग्लोबिन लगना आवश्यक है, जिसकी उपलब्धता जिला अस्पताल में सुनिश्चित कराई गई है, वही पीएचसी और सीएससी में यह उपलब्ध नही हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी अस्पतालों में एंटी रेबीज की मात्रा उपलब्ध है। सीएमएचओ ने लोगो से पागल और आवारा कुत्तों से दूर रहने, बच्चों को सुरक्षित स्थान में खेलने देने, सावधानी बरतने और सतर्क रहने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

मड़ई मेले में दो गुटो के बीच हिंसक झड़प, एक की मौत चार घायल

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर क्षेत्र में मड़ई मेले में गाड़ी साइड लगाने को लेकर हुए मामूली विवाद में एक युवक की मौत हो गई। जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मेला क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार अभनपुर थाना क्षेत्र के मड़ई मेला का आयोजन किया गया है जहां इनोवा कार में सवार चार लोग और बाइक पर सवार तीन युवकों के बीच गाड़ी को साइड में लगाने को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि बाइक सवार युवकों ने इनोवा सवार लोगों पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चाकूबाजी से बौखलाए इनोवा सवार युवकों ने गुस्से में आकर बाइक सवारों पर गाड़ी चढ़ा दी। इस घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीसरा बाइक सवार युवक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। मृतक की पहचान कैलाश, निवासी अभनपुर के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अभनपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने मेला परिसर और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना की पूरी कड़ी को स्पष्ट किया जा सके। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस ने संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। इस घटना के बाद मड़ई मेला क्षेत्र में कुछ समय के लिए भय और तनाव का माहौल बना रहा। पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है ताकि शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है।

मूकबधिर लड़की को शराब पिलाकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की डोंगरगढ़ थाना पुलिस ने एक मूकबधिर लड़की को शराब पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को तथा आरोपी का सहयोग करने वाले सहआरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 64(2)(क), 3(5) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार डोंगरगढ़ थाने में एक प्रार्थिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 13-01-2026 को शाम लगभग 5 बजे पीड़िता मूंदगांव मुर्गी फार्म हाउस में काम करने वाले कांशी जांगड़े ने पीड़िता को मोटर सायकल से बोदेला के मेले में घूमने के लिए ले गए थे। रात्रि 7:30 बजे तक वापस घर नहीं लाए जाने पर पीड़िता को खोजने के लिए मुड़गांव बस्ती की ओर गए, वहां पता-तलाश की गई किंतु जानकारी नहीं मिली। कुछ समय बाद अपने घर आए तो देखा कि घर के बाहर पीड़िता शराब के नशे में जमीन पर सोई हुई थी। दिनांक 14-01-2026 को सोकर उठने पर इशारों से घटना के बारे में बताई। तब थाना डोंगरगढ़ द्वारा आस्था मूकबधिर शाला, राजनांदगांव में पीड़िता का कथन-बयान लिया गया। कांशी जांगड़े द्वारा पीड़िता के मूकबधिर एवं श्रवण बाधित होने की जानकारी होते हुए उसे शराब पिलाकर नशे की हालत में रितेश के साथ अपने किराये के मकान, मुड़गांव ले जाकर कांशी जांगड़े द्वारा जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया गया तथा रितेश लोधी द्वारा अपराध में सहयोग किया गया। कांशी जांगड़े एवं रितेश लोधी के विरुद्ध धारा 64(2)(क), 3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा के दिशा निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन एवं एस.डी.ओ.पी. डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में दिनांक 15-01-2026 को दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपियों द्वारा अपराध स्वीकार करने एवं साक्ष्य पाए जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

रायपुर पुलिस ने पकड़ा अवैध शराब का जखीरा,दो गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गंजपारा भट्टी क्षेत्र से दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 238 पौवा शराब व 3 लाख 40 हजार रूपये नगद जब्त किया है। रायपुर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन निश्चय के अंतर्गत नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को और प्रभावी बनाते हुए रायपुर पुलिस ने थाना गंज क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध देशी मसाला मदिरा के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से 42.840 बल्क लीटर अवैध शराब, 3,40,220 नगद राशि सहित कुल 4,28,020 की संपत्ति जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ में पेयजल व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार

जल जीवन मिशन से 32 लाख से अधिक घरों तक पहुँचा नल से जल

- प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित, शुद्ध एवं सतत पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य
- जल जीवन मिशन के तहत लगभग 41.87 लाख घरेलू नल कनेक्शन 5,564 ग्राम 'हर घर जल ग्राम' घोषित

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में व्यापक और ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को यह जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में अब तक 40 लाख 87 हजार 27 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं, जिससे 32 लाख घरों तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। उन्होंने बताया कि मिशन लागू होने से पूर्व प्रदेश में केवल 3 लाख 19 हजार 741 घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध थे, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के बीते दो वर्षों में इस संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है। प्रेस वार्ता में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित, शुद्ध एवं सतत पेयजल उपलब्ध कराया जाए और छत्तीसगढ़ को शीघ्र ही 'हर घर जल' राज्य के रूप में स्थापित किया जाए। श्री साव ने कहा कि वर्तमान में 6,572 ग्रामों में शत-

प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण हो चुके हैं। वहीं 5,564 ग्रामों को 'हर घर जल ग्राम' घोषित किया गया है, जिनमें से 4,544 ग्रामों को विधिवत प्रमाणित किया जा चुका है, विगत दो वर्षों में हर घर सर्टिफाइड ग्रामों की संख्या में पूर्व की तुलना में 750 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 5,088 ग्राम पंचायतों को जलापूर्ति व्यवस्थाओं का हस्तांतरण भी किया गया है। प्रेस वार्ता में उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन से पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में 3,08,287 हैंडपंप, 4,440 नलजल योजनाएं और 2,132 स्थल जल प्रदाय योजनाएं संचालित थीं। वर्तमान में 70 समूह जल प्रदाय योजनाएं प्रगतिरत हैं, जिनसे 3,208 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं तथा 9 लाख 85 हजार से अधिक घरेलू नल कनेक्शन इन योजनाओं के माध्यम से जुड़े हैं। जल गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए श्री साव ने बताया कि राज्य में 77 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं संचालित हैं, जिनमें 47 प्रयोगशालाएं एनएबीएल मान्यता प्राप्त हैं। आम नागरिकों की सुविधा के लिए पेयजल से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु टोल फ्री नंबर 1800-233-0008 भी प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है। दोषपूर्ण कार्यों के कारण बीते दो वर्षों में 28 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक का अर्थदंड लगाया गया, 629 अनुबंध निरस्त किए गए तथा 11 फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया। इसके साथ ही दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई भी की गई है। उन्होंने आगामी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया कि शेष बचे लगभग 8 लाख घरेलू नल कनेक्शन (एफ्एचटीसी) का निर्माण, 21 हजार से अधिक अधूरी योजनाओं को पूर्ण करना, 24 हजार से अधिक योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करना तथा सभी प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सरकार की प्राथमिकता है।

राष्ट्र अपने नायकों को कभी नहीं भूलता-अशोक जिंदल

- युद्ध या सैन्य अभियानों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले राज्य के सैनिकों के परिवारों के लिए वित्तीय सहायता 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख की जाएगी: ब्रिगेडियर विवेक शर्मा

रायपुर। संवाददाता

राष्ट्र ने आज 10वां रक्षा बल पूर्व सैनिक दिवस मनाया, जिसमें उन सेवानिवृत्त सैनिकों की वीरता, बलिदान और समर्पित सेवा को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने विशिष्टता के साथ देश की सेवा की है। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में कार्यक्रमों और आउटरीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसका मुख्य कार्यक्रम नवा रायपुर स्थित कोसा (छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया) मुख्यालय में आयोजित किया गया। समुदाय को व्यावहारिक सहायता प्रदान करने के लिए, सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों को पेंशन, ईसीएचएस स्वास्थ्य योजना और सरकारी योजनाओं से जुड़े अन्य संबंधित मामलों में मदद करने के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे। इसके अतिरिक्त, एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुफ्त कैंसर स्वास्थ्य जांच और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस कार्यक्रम में आज लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) अशोक कुमार जिंदल (सेवानिवृत्त), निदेशक (एम्स रायपुर) के साथ ब्रिगेडियर तेजिंदर सिंह बावा, कमांडर कोसा; ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, निदेशक राज्य सैनिक बोर्ड और श्रीमती नेहा चंपावत, विशेष सचिव (गृह), छत्तीसगढ़ सरकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) अशोक कुमार जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि राष्ट्र अपने नायकों को कभी नहीं भूलता, चाहे वह परिवार हो, दिग्गज हों या भारतीय सशस्त्र बलों के सेवारत जवान।

अस्पतालों के बाजारी करण की जीती जागती तस्वीर है फिल्म मानव मार्केट

रायपुर। रायपुर सहित प्रदेश भर में निजी क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में मरीजों के साथ भर्ती करने के नाम पर हो रही खुली लूट पर आधारित है फिल्म मानव बाजार। फिल्म के निर्माता निर्देशक कैलाश अग्रवाल एवं गुलाम हैदर मंसूरी ने प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त फिल्म के रिलीज के लिए लंबे समय तक रायपुर सहित रायपुर का कोई भी थियेटर छत्तीसगढ़ की पहली हिन्दी फिल्म को लगाने के लिए तैयार नहीं था। 16 जनवरी को श्याम टाकीज रायपुर सहित मल्टीप्लैक्स में मानव मार्केट का प्रदर्शन एक साथ किया जाएगा। कैलाश अग्रवाल एवं मेघा अग्रवाल ने बताया कि फिल्म में नायक ईश्वर कुमार देशलहरे एवं नायिका काजल मानव सेवा करते करते आपस में प्यार कर बैठते हैं।

विनोद चंद्राकर ने बिल को लेकर साय सरकार को घेरा

भारी भरकम बिजली बिल भेजकर गरीब उपभोक्ताओं का काटा जा रहा कनेक्शन

- बिजली बिल हाफ योजना बंदकर व बिजली दाम बढ़ाकर गरीब उपभोक्ताओं को लूट रहा सरकार

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि यदि कोई गरीब व्यक्ति या छोटा दुकानदार एक या दो महीने बिजली बिल नहीं भर पाए, तो बिजली विभाग के कर्मचारी बिना देर किए कनेक्शन काटने पहुंच जाते हैं। इसके विपरीत सरकारी विभागों और संस्थानों पर करोड़ों रुपये बकाया होने के बाद भी बिजली विभाग की सख्ती इन विभागों पर दिखाई नहीं देती। यह दोहरा मापदंड गरीबों के लिए ही क्यों अपनाया जा रहा है। भाजपा सरकार की यह नीति उसके गरीब विरोधी होने का प्रमाण है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि एक तरफ भाजपा की कथित डबल इंजन की सरकार ने बिजली दरों में वृद्धि कर पूर्व वर्ती कांग्रेस शासन में प्रदेश वासियों को मिल रही 400 यूनिट तक के बिजली बिल हाफ योजना को बंद कर दिया। वहीं, दूसरी ओर गरीब उपभोक्ताओं को भारी भरकम बिजली बिल भेजकर परेशान किया जा रहा है। गरीब वर्ग के लोग भारी-भरकम बिजली बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं। एक-दो महीने बिल अदा नहीं करने पर विभाग द्वारा कनेक्शन काटने सीधे उनके घर पहुँच रहे हैं। कई परिवार ऐसे हैं जो रोजी-मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे हैं। कांग्रेस शासन के समय जिन परिवारों के घर दो-ढाई सौ रुपए बिजली पहुँचता था, वह अब हजार से 12 सौ रूपए तक पहुँचने लगा है। एक मजदूर वर्ग का व्यक्ति इतनी बड़ी रकम अदा करने में सक्षम नहीं होते।

साली को भगा ले जाने वाले जीजा को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

रायपुर/ संवाददाता

पुलिस ने अपनी नाबालिग साली को भगाकर कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी जीजा रोहित कुमार सिदार को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही आरोपी के मोटर सायकल से कोरबा तक भगाने में सहयोग करने वाले सहयोगी ओम प्रकाश सिदार को भी गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार चौकी दोकड़ा क्षेत्र के एक ग्राम का प्रार्थी ने दिनांक 14.12.2025 को चौकी दोकड़ा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी नाबालिग पुत्री उम्र 15 साल 10 माह की कक्षा 11 वीं में एक स्कूल में पढ़ाई करती है, वह घर से स्कूल रोज आना-जाना करती है। प्रार्थी की पुत्री का दिनांक 13.12.2025 को अर्द्धवार्षिक परीक्षा होने से वह स्वयं अपनी पुत्री को परीक्षा लिखने हेतु स्कूल छोड़ने गया था, शाम को अपनी पुत्री को वापस लाने गया तो उसकी पुत्री स्कूल में नहीं मिली, प्रार्थी द्वारा उसकी सहेलियों से पूछने पर पता चला कि वह परीक्षा में नहीं बैठी थी, प्रार्थी द्वारा अपनी पुत्री का आस-पास रिष्तेदारी में पता किया पता नहीं चला। प्रार्थी की पुत्री को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने के संदेह पर चौकी दोकड़ा में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 137(2) का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान दिनांक 05.01.2026 को नाबालिग पीड़िता स्वत: परिजनों के साथ चौकी में उपस्थित आई, उसका महिला पुलिस अधिकारी के जरिये माननीय न्यायालय में कथन लिया गया, इस दौरान पीड़िता बताई कि दिनांक 13.12.2025 को इसके जीजा रोहित कुमार सिदार अपने साथी ओम प्रकाश सिदार के साथ मोटर सायकल से इसके पास आये और कुछ काम है कहकर अपने साथ मोटर सायकल में बैठाकर उसे कोरबा ले गये। रात्रि में रोहित कुमार सिदार पीड़िता को अपने साथ एक रिष्तेदार के यहां रखा था। दूसरे दिन दिनांक 14.12.2025 को ओमप्रकाश सिदार मोटर सायकल को वापस लेकर जा रहा हूं कहकर वहां से चला गया। तब कोरबा से जीजा रोहित कुमार सिदार ने पीड़िता को ट्रेन में बैठाकर जालंधर तथा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में ले गया और पीड़िता को पत्नी बताकर वहां एक तंबू में रखा था। पीड़िता का जीजा रोहित कुमार सिदार वहां राजमिस्त्री का काम करता था।

रायपुर साहित्य उत्सव के प्रत्येक सत्र के बेहतर संचालन के लिए नियुक्त होंगे लायज़निंग अधिकारी

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर में 23 से 25 जनवरी तक आयोजित होने वाले रायपुर साहित्य उत्सव की तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ संवाद के सभागृह में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्सव के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं और कार्यक्रम-संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में राज्यभर से चयनित लायजनिंग अधिकारी शामिल हुए। लायजनिंग अधिकारियों को रायपुर साहित्य उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न सत्रों के सुचारु आयोजन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि उत्सव के विभिन्न सत्रों के संचालन को सुचारु बनाने के लिए एक विशेष सत्र-सहयोग टीम गठित की जाएगी। इसके अंतर्गत प्रत्येक सत्र के लिए लायज़निंग अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे, जो कार्यक्रम से जुड़ी अलग-अलग जिम्मेदारियों का समन्वय करेंगे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन समयबद्ध, व्यवस्थित और उच्च स्तर का हो, ताकि देशभर से आने वाले साहित्यकारों, कलाकारों और दर्शकों को एक बेहतरीन अनुभव मिल सके। रायपुर साहित्य उत्सव को लेकर प्रशासन और आयोजन समिति की सक्रिय तैयारियाँ अब अंतिम चरण में पहुँच रही हैं।

सीपीआरआई का 66वाँ स्थापना दिवस गरिमामय समारोह के साथ संपन्न

- नवा रायपुर स्थित रीजनल टेस्टिंग लेबोरेटरी में ऊर्जा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

रायपुर/ संवाददाता

सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपीआरआई) द्वारा आज नवा रायपुर स्थित रीजनल टेस्टिंग लेबोरेटरी परिसर में अपना 66वाँ स्थापना दिवस गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पावर कंपनियों सहित ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपी जीसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री संजीव कुमार कत्यार थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपी डीसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपी टीसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ल, सीपीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता श्री अनिल कुमार कैन, सीएसपी डीसीएल के कार्यकारी निदेशक श्री जे.एस. नेताम एवं नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) की प्रबंधक (प्रशासन) श्रीमती संगीता अग्रवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत सीपीआरआई रायपुर के यूनिट हेड श्री अभय खैरवार द्वारा किया गया। उन्होंने सीपीआरआई की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा, आधुनिक परीक्षण सुविधाओं, अनुसंधान उपलब्धियों तथा विद्युत क्षेत्र में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीते 66 वर्षों में सीपीआरआई ने विश्वसनीय परीक्षण एवं प्रमाणन सेवाओं के माध्यम से भारतीय पावर सेक्टर को सुदृढ़ आधार प्रदान किया है। मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने ऊर्जा उत्पादन, वितरण और प्रसारण क्षेत्रों में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों, नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार तथा परीक्षण एवं शोध की बढ़ती आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने सीपीआरआई की भूमिका की सराहना करते हुए इसे भारतीय विद्युत क्षेत्र की तकनीकी रीढ़ बताया। समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। 'राम आएंगे' गीत पर अदीरा पटेल, 'वंदे मातरम' गीत पर अन्वी पटेल की प्रस्तुति एवं छत्तीसगढ़ी नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, कलाकारों एवं प्रस्तोताओं का सम्मान किया गया।

मंत्री केदार कश्यप ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी

ग्राम कांगा में 13 करोड़ 95 लाख से अधिक के 06 विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न.....

- वन मंत्री श्री कश्यप ने ग्राम तोतर और कांगा में 17 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन
- ग्राम तोतर में 03 करोड़ 13 लाख रूपए से अधिक के 16 विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज कोंडागांव जिले के सुदूर वनांचल के गांव तोतर और कांगा में कुल 17 करोड़ 09 लाख 76 हजार रूपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी।

साथ ही नि:शुल्क सायकल वितरण योजना के तहत 26 स्कूली छात्राओं को सायकल भी वितरित किया। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि आज क्षेत्र में स्टॉपडेम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है, जिसके पूर्ण होने से क्षेत्र के अनेक किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेती-किसानी को सशक्त बनाने तथा किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं तथा उन्हें लखपति दीदी बनाने की दिशा में भी ठोस पहल की जा रही है। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जी राम जी योजना प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत ग्रामीणों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जा रही है। सभी योजनाओं की राशि हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके खातों में दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत आज गांव-गांव तक पक्की सड़कों का विस्तार हो रहा है, जो देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हर गांव में मूलभूत सुविधाएं पहुंच रही है।

संपादकीय

क्या भारतीय रेल में सचमुच बेहतर हो रहा है सफर?

भारत में रेल सेवा आर्थिक विकास के साथ-साथ आम लोगों के सफर को आसान और सुगम बनाने की जीवन रेखा मानी जाती है। लंबी यात्रा के लिए रेलगाड़ियां ही एकमात्र किफायती साधन हैं। देश में रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण को लेकर एक तरफ सरकार की ओर से नई-नई घोषणाएं और दावे किए जाते हैं, तो दूसरी ओर रेलगाड़ियों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव जस का तस बना हुआ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की माकूल व्यवस्था न होने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।रेल मदद पोर्टल पर दर्ज इस तरह की शिकायतों में सितंबर 2025 की तुलना में अक्तूबर और नवंबर में लगभग पचास फीसद की वृद्धि देखी गई है। इससे स्पष्ट है कि व्यवस्थागत खामियों और सरकारी अमले में विभिन्न स्तर पर लापरवाही की वजह से यात्रियों को सफर के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जबकि रेल किराए में सरकार जब चाहे बढ़ोतरी कर देती है। सवाल है कि किराए में वृद्धि के साथ क्या सुविधाओं में भी सुधार नहीं होना चाहिए? जब मौजूदा सुविधाएं ही बेहाल हों, तो ऐसे में आधुनिकीकरण के दावों का क्या औचित्य रह जाता है। गौरतलब है कि कैग की वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की एक रपट में भी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे। इसमें कहा गया था कि इस व्यवस्थागत खामी के लिए संबंधित अधिकारियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। इसके अलावा साफ-सफाई से जुड़े रेल कर्मियों का अभाव और इस कार्य के लिए साजो-सामन की कमी की ओर भी इशारा किया गया था। हालांकि रेलवे ने कुछ खास स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के शौचालय, दरवाजे और कुछ अन्य हिस्सों की सफाई मशीनों से करने की योजना लागू की है, इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षाजनक सुधार नजर नहीं आता है। रेलवे मंत्रालय की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, रेल मदद पोर्टल पर सितंबर 2025 में चादर और कंबल से संबंधित 8,758 शिकायतें मिली थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 13,406 और नवंबर में 13,196 हो गईं। इसी तरह डिब्बों की स्वच्छता से जुड़ी शिकायतें सितंबर 2025 में 24,758 थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 33,804 और नवंबर में 36,673 हो गईं।हाल में सरकार ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं का किराया बढ़ाने की घोषणा की थी। हालांकि यह वृद्धि देखने में मामूली लगती है, लेकिन देश भर में प्रतिदिन रेल में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या की लिहाज से देखें, तो सरकार को हर साल इससे करोड़ों रुपए की कमाई होगी।

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि' को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा।

(उमेश चतुर्वेदी)

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है।

अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है।

उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज़्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज़्यादा इंटरनेट यूज़र थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मज़बूती है। कानून इस बात पर भी ज़ोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर ज़ोर देता है। कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिए शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट जैसे सेक्टर में सर्विस देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इस कानून में मानक चीनी सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है। हालांकि पहले उन्हें इसके लिए आगाह किया जाएगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि भारत में भाषा को नकारने को लेकर कोई सजा का प्रावधान नहीं है। वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। चीनी संविधान और जातीय स्वायत्तता व्यवस्था के तहत, स्वायत्त क्षेत्रों मसलन, तिब्बत, शिनजियांग, इनर मंगोलिया, गुआंग्शी, निंग्शिया आदि को क्षेत्रीय स्वायत्तता कानूनों के अनुसार, सरकारी कार्यों, शिक्षा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में राष्ट्रीय भाषा के साथ-साथ एक या अधिक स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल का प्रावधान है। लेकिन शी चिनफिंग के शासन में ये प्रावधान कमज़ोर होते गए हैं। इसका असर तिब्बत में दिखता है, जहां कई सालों से चल रहे मातृभाषा आंदोलन और सांस्कृतिक शिक्षा का दमन किया गया। इसकी वजह से वहां निजी स्कूल बंद कर दिए गए और उनके संस्थापक गिरफ्तार कर लिए गए। तिब्बतियों को आशंका है कि इस कानून के तहत उनके खिलाफ दमन का एक और चक्र शुरू हो सकता है। साल 1994 में फ्रांस ने अपने यहां अंग्रेजी के बिलावजह प्रयोग को कानून के जरिए रोक लगाई थी। अब चीन का अपनी मानक भाषा को स्थापित करने का कानून आया है। यह सब देखते हुए भी भारत की मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर ऐसे कानून का सुझाव देना भी संभव नहीं लगता। लेकिन चीन के इस भाषायी बोध के बहान अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि एक दिन भारत में भी ऐसी सोच जरूर विकसित होगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं यह उनके निजी विचार हैं)

अमेरिकी राष्ट्रपति के वार रूम में क्या चल रहा है? किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं?

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो साल 2026 की शुरुआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र।

आज पूरी दुनिया एक ही सवाल पूछ रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के वार रूम में इस समय क्या चल रहा है। व्हाइट हाउस के भीतर कौन से देश के नक्शे खुले हैं, किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं और किन मोर्चों पर सैन्य और आर्थिक हमले की तैयारी हो रही है। देखा जाये तो अमेरिकी राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयानों, नीतिगत संकेतों और सैन्य गतिविधियों से साफ झलकता है कि अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आइये आज इसी पर बात करते हैं और आपको तथ्यों के साथ पूरी जानकारी देते हैं कि ट्रंप के निशाने पर इस समय कौन कौन से देश हैं और उनके खिलाफ अमेरिका किस स्तर की तैयारी कर रहा है।

देखा जाये तो साल 2026 की शुरुआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र। इस बार मंच पर हैं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी भाषा पहले से अधिक तीखी, अधिक उकसाने वाली और अधिक विस्फोटक बनी हुई है।

सबसे पहले वेनेजुएला की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने खुद को सार्वजनिक रूप से वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति बताकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मर्यादा को जानबूझकर तोड़ा है। इसका सीधा संदेश यह है कि अमेरिका अब वेनेजुएला को एक संप्रभु राष्ट्र की तरह नहीं बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र के एक प्रशासित इलाके की तरह देख रहा है। देखा जाये तो वेनेजुएला का सामरिक महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि ऊर्जा पर आधारित है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर नियंत्रण का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव। ट्रंप का खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति बताना दरअसल यह बताने का तरीका है कि अमेरिका वहां सत्ता परिवर्तन को अब छिपाकर नहीं बल्कि खुले तौर पर संचालित करना चाहता है। यह सीधे तौर पर संसाधन नियंत्रण की राजनीति है।

इसी कड़ी में क्यूबा को लेकर ट्रंप का रवैया भी ध्यान खींचता है। क्यूबा को तेल आपूर्ति रोकने की धमकी और उसके बाद यह कहना कि मार्को रुबियो का क्यूबा का राष्ट्रपति बनना उन्हें ठीक लगता है, यह सब मजाक नहीं है। यह एक राजनीतिक संदेश है। इसका अर्थ यह है कि अमेरिका अब वैचारिक असहमति को सहन करने के मूड में नहीं है। वह खुले तौर पर यह संकेत दे रहा है कि जो सरकारें उसकी लाइन पर नहीं चलेंगी, उन्हें आर्थिक और राजनीतिक रूप से कुचल दिया जाएगा। देखा जाये तो मार्को रुबियो का नाम लेना प्रतीकात्मक है। एक ऐसा नेता जिसकी पहचान क्यूबा विरोधी राजनीति से जुड़ी रही है, उसे वहां के राष्ट्रपति पद से जोड़ना यह बताता है कि अमेरिका लोकतंत्र नहीं बल्कि अपने हितों के प्रति वफादार शासन चाहता है। यह बयान भले ही अनौपचारिक हो लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गहरे हैं।

ईरान की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका ईरान के लिए बहुत मजबूत सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। देखा जाये तो यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है क्योंकि अमेरिका इस समय फारस की खाड़ी से लेकर पश्चिम एशिया तक अपनी सैन्य तैनाती मजबूत कर रहा है। हवाई हमलों से लेकर साइबर और ड्रोन हमलों तक की तैयारी की जा रही है। सवाल यह नहीं है कि हमला होगा या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि हमला कब और कितना बड़ा होगा?

देखा जाये तो यदि अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। पूरा पश्चिम एशिया अस्थिर हो सकता है। तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट सकती है। मुस्लिम देशों का रुख इस मामले में एक जैसा नहीं होगा। कुछ देश रणनीतिक मजबूरी में अमेरिका का सीमित समर्थन कर सकते हैं, लेकिन व्यापक इस्लामी दुनिया में इसका तीखा विरोध होगा।

मकर संक्रान्ति और उसका महत्व

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। मकर संक्रांति पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं। 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होता है। इसी कारण इस पर्व को 'उतरायण' (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते है। वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है। और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

(रीतेश कुण्डले)

भारत समेत नेपाल में उत्साह के साथ मनाया जाता यह भारतवर्ष तथा नेपाल के सभी प्रांतों (प्रान्तों) में अलग-अलग नाम व भांति-भांति के रीति-रिवाजों द्वारा भक्ति एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जाता है। छत्तीसगढ़, गोआ, ओड़ीसा, हरियाणा, बिहार, झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, गुजरात और जम्मू।

ताइ पोंगल, उझवर तिरुनल -तमिलनाडु
उत्तरायण - गुजरात, उत्तराखण्ड
उत्तरैन -माघी संगरांद = जम्मू
शिशुर सेंक्रात - कश्मीर घाटी
माघी - हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब
भोगाली बिहु - असम
खिचड़ी - उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार
पौष संक्रान्ति - पश्चिम बंगाल
मकर संक्रमण - कर्नाटक

मकर संक्रान्ति का महत्व व दान की महिमा: इस दिन जप, तप, दान, स्नान, श्राद्ध, तर्पण आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है। ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुन= प्राप्त होता है। इस दिन शुद्ध घी एवं कम्बल का दान मोक्ष की प्राप्ति करवाता है। जैसा कि निम्न श्लोक से स्पष्ठ होता । माघे मासे महादेव- यो दास्यति घृतकम्बलम। स भुक्त्वा सकलान भोगान अन्ते मोक्षं प्राप्यति॥ मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगास्नान एवं गंगातट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगासागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। सामान्यत= सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त फलदायक है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छः-छः माह के अन्तराल पर होती है। भारत देश उत्तरी गोलार्ध में स्थित है। सामान्यत= भारतीय पंचांग पद्धति की समस्त तिथियाँ चन्द्रमा की गति को आधार मानकर निर्धारित की जाती हैं, किन्तु मकर संक्रान्ति को सूर्य की गति से निर्धारित किया जाता है। हमारे पवित्र वेद, भागवत गीता जी तथा पूर्ण परमात्मा का संविधान यह कहता है कि यदि हम पूर्ण संत से नाम दीक्षा लेकर एक पूर्ण परमात्मा की भक्ति करें तो वह इस धरती को स्वर्ग बना देगा और आप जी की और इच्छा को पूरा करें।

मकर संक्रान्ति के दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं

मकर संक्रान्ति के अवसर पर भारत के विभिन्न भागों में, और विशेषकर गुजरात में, पतंग उड़ाने की प्रथा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूँकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं, अत= इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। । मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं।

मकर संक्रान्ति और नये पैमाने: अन्य त्योहारों की तरह लोग अब इस त्यौहार पर भी छोटे-छोटे मोबाइल-सन्देश एक दूसरे को भेजते हैं। इसके अलावा सुन्दर व आकर्षक बधाई-कार्ड भेजकर इस परम्परागत पर्व को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय के दौरा कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्य का शिलान्यास किया गया

पखांजूर। पखांजूर के ऐतिहासिक नर नारायण सेवा आश्रम मेले में प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का भव्य आगमन हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कांकेर जिला को लगभग 285 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात देकर क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत और नई उम्मीद दी। जैसे ही मंच से विकास कार्यों की घोषणाएं की गई, पूरे पखांजूर अंचल में खुशी की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री साय ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार पखांजूर और सीमावर्ती क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़कों का विस्तार, बिजली आपूर्ति में सुधार, शुद्ध पेयजल, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ स्वास्थ्य सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता में शामिल हैं। इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलेंगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया। इन योजनाओं से ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों को लाभ मिलने की बात कही गई। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता रखी जाएगी और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। नर नारायण सेवा आश्रम मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के स्वागत में लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। पारंपरिक वाद्ययंत्रों, पुष्प वर्षा और नारों के साथ मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री का यह दौरा पखांजूर के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। वर्षों से लंबित चली आ रही कई मांगों को अब नई दिशा मिलने की उम्मीद जगी है। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे पखांजूर के विकास की नई शुरुआत बताया।

ललिता भारद्वाज बनी बंजारा समाज महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष

परिवार और लेकर समाज को आगे बढ़ाने में महिला का होता है योगदान : ललिता

कोण्डागांव। ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष टी.सी. राठौर के निर्देश एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सदाशिव राम नायक के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक द्वारा ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न प्रकोष्ठ पदाधिकारियो का घोषणा किया गया है. जिसमें छत्तीसगढ़ ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष ललिता भारद्वाज पति नरेंद्र भारद्वाज निवासी फ़रसगाव जिला कोंडागांव को बनाया गया है। ललिता भारद्वाज इसके पहले ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर रहते हुए समाज के प्रति सक्रिय भूमिका निभाते हुए जागरूक कार्य किया है। जिसमें परिणाम स्वरूप उन्हें अखिल बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ के द्वारा उन्हें महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह सम्पूर्ण जानकारी बंजारा समाज के प्रदेश मिडिया प्रभारी रामकुमार भारद्वाज ने दी है।

ललिता भारद्वाज ने प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद सभी पदाधिकारियों और समाज का आभार माना। उन्होंने कहा कि महिलाओं का योगदान सभी क्षेत्रों में सर्वोपरि है, वे परिवार से लेकर समाज को आगे बढ़ाने में निश्वार्थ भाव से कार्य करती हैं।

महिलाओं की एकता से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। ललिता भारद्वाज ने यह भी कहा कि जल्द ही छत्तीसगढ़ बंजारा समाज महिला प्रकोष्ठ का नया गठन किया जाएगा जिसमे सभी पदों के पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे, जिससे महिलाओं को समाज में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। यह कदम महिलाओं की एकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए उठाया जा रहा है। बंजारा समाज में महिलाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, वे परिवार और समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

नियद नेल्ला नार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर नम्रता जैन का अबूझमाड़ क्षेत्र भ्रमण

110 किमी का सफर तय कर बाइक से जाटलूर पहुंचीं कलेक्टर, बच्चों के साथ गया राष्ट्रगान

नारायणपुर। जिले के दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित दुर्गम क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर नम्रता जैन द्वारा लगातार क्षेत्र भ्रमण किया जा रहा है। इसी क्रम में 15 जनवरी को कलेक्टर ने बाइक से लगभग 110 किलोमीटर का दुर्गम सफर तय करते हुए कच्चे रास्तों, जंगलों तथा नदी-नालों को पार कर अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम ढोंढरबेड़ा, कुड़मेल और जाटलूर का दौरा किया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान कलेक्टर जैन ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं, शासकीय संस्थाओं के संचालन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम ढोंढरबेड़ा स्थित बालक आश्रम का औचक निरीक्षण कर भोजन व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय और आवासीय कक्षों की स्थिति की जानकारी ली। बच्चों से संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन किया गया। संतोषजनक उत्तर मिलने पर कलेक्टर ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। छात्रावास अधीक्षक द्वारा शौचालय निर्माण, खेल सामग्री और अधीक्षक निवास कक्ष निर्माण की मांग पर प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात कलेक्टर जैन ग्राम कुड़मेल पहुँचीं और बालक आश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के स्तर की जानकारी लेते हुए बेहतर अध्ययन के लिए प्रेरित किया। बच्चों के साथ राष्ट्रगान भी गाया गया, जिससे क्षेत्र में प्रशासन की सक्रियता और बच्चों के लिए सुरक्षा एवं शिक्षा के महत्व का सशक्त संदेश गया। शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि बच्चों के सोने से पूर्व प्रतिदिन मच्छरदानी का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बच्चों द्वारा खेल सामग्री एवं जूतों की मांग पर शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। मितानिन द्वारा दवाई पेटी, आवास एवं गोटुल निर्माण की मांग पर कलेक्टर ने शीघ्र व्यवस्था कराने का भरोसा दिलाया। ग्राम के 12वीं उत्तीर्ण युवा मोतीलाल वडडे को विद्यालय में अतिथि शिक्षक के रूप में बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। कलेक्टर जैन ने नदी-नालों को पार करते हुए ग्राम जाटलूर पहुँचीं और बालक आश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को स्कूली यूनिफॉर्म का वितरण करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर अपने क्षेत्र के विकास में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों से बच्चों की उपस्थिति, भोजन व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय एवं आवासीय कक्षों की स्थिति की जानकारी ली गई। बाउंड्रीवॉल, अतिरिक्त कक्ष, दैनिक उपयोग की सामग्री तथा टेबल-बेंच की मांग पर प्रस्ताव सहायक आयुक्त को भेजने का आश्वासन दिया गया। इसके उपरांत कलेक्टर ने ग्राम जाटलूर के बाजार स्थल एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। ग्रामीणों द्वारा गोटुल में शेड निर्माण, बाउंड्रीवॉल, देवगुड़ी निर्माण, प्रधानमंत्री आवास, राशन दुकान संचालन, बाजार स्थल में शेड निर्माण तथा आश्रित ग्राम हरवेल, डोंगरीपारा और बोटेर में आंगनबाड़ी भवन निर्माण की मांग रखी गई। कलेक्टर ने सभी मांगों पर शीघ्र कार्यवाही का भरोसा दिलाया और राज्य शासन की नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इस भ्रमण के दौरान एडीशनल एसपी अजय कुमार, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता संजय चौहान, पीएमजीएसवाई के कार्यपालन अभियंता विनय, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत कोण्डागांव के लाइवलीहुड कॉलेज में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कोण्डागांव। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह वर्ष 2026 के अंतर्गत आज शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे कोण्डागांव के लाइवलीहुड कॉलेज परिसर में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यातायात प्रभारी निरीक्षक मुकेश जोशी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक मुकेश जोशी ने उपस्थित विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, तथा वाहन चलाते समय वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन के आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन न केवल कानून का दायित्व है, बल्कि यह स्वयं की और दूसरों की जान की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान सड़क दुर्घटनाओं से बचाव एवं सुरक्षित यातायात व्यवहार की जानकारी भी दी गई।

लगातार अनुपस्थिति पर सहायक ग्रेड-03 कर्मचारी को अंतिम सूचना

नारायणपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महावीर चौक, नारायणपुर में पदस्थ सहायक ग्रेड-03 कर्मचारी पुष्पेन्द्र ध्रुव पिता स्व. रविशंकर ध्रुव, निवासी ग्राम लिमाही गोंडपारा, वार्ड क्रमांक 01, मकान नंबर 09, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा 10 अगस्त 2022 से बिना किसी पूर्व सूचना के अपने कर्तव्य स्थल पर लगातार अनुपस्थित पाए गए हैं। संस्था प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पुष्पेन्द्र ध्रुव द्वारा अब तक न तो उपस्थिति दी गई है और न ही किसी प्रकार की सूचना अथवा स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में संस्था को जैसे ही जानकारी प्राप्त हुई, तत्काल नोटिस जारी करते हुए उन्हें अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुष्पेन्द्र ध्रुव तत्काल सशरीर संस्था में उपस्थित होकर अपना कार्यभार ग्रहण करें। अन्यथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों के अंतर्गत उनके विरुद्ध सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जाएगी। संस्था प्रबंधन ने संबंधित कर्मचारी से शीघ्र उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की है।

जिला कांग्रेस ने पुन: भरोसा जताते हुए रघु मानिकपुरी को बनाया शहर अध्यक्ष

नारायणपुर। जिला कांग्रेस कमेटी ने एक बार फिर भरोसा जताते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ व सक्रिय नेता रघु मानिकपुरी को नारायणपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस निर्णय के बाद जिला कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। रघु मानिकपुरी लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहकर पार्टी के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे हैं। उनके कार्यकाल में कांग्रेस को कई बड़ी राजनीतिक सफलताएँ मिली हैं। विपक्ष में रहते हुए भी उन्होंने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जनहित के मुद्दों को लेकर कई प्रभावी आंदोलन किए हैं, जिनमें उग्र आंदोलन, धरना-प्रदर्शन एवं सरकारी कार्यालयों का घेराव प्रमुख रहा है। प्रत्येक कार्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी और संगठन के प्रति समर्पण सराहनीय रहा है। उनके निरंतर योगदान और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने पुनः उन्हें शहर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है, जो संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। यह फैसला प्रदेश कांग्रेस एवं जिला कांग्रेस के समन्वय से लिया गया।

खास बातचीत में रघु मानिकपुरी ने कहा—मैं प्रदेश कांग्रेस, जिला कांग्रेस तथा संगठन के सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझ पर पुनः भरोसा जताते हुए नारायणपुर शहर अध्यक्ष के रूप में स्वीकार किया। वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदैव जनता के साथ खड़ी है और जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार है। यदि प्रशासन की किसी भी अनियमितता से जिले की जनता को परेशानी होती है, तो कांग्रेस उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने आगे बताया कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा लगातार गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने पानी, बिजली, स्वास्थ्य

प्राचार्य के निलंबन के उपरांत नए प्रभारी प्राचार्य ने किया कार्यभार ग्रहण

नारायणपुर। वीरांगना रमोतीन माड़िया शासकीय आदर्श महिला महाविद्यालय एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय छोटे डोंगर, नारायणपुर में प्राचार्य के निलंबन के उपरांत आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार भगवान दास चांडक ने प्रभारी प्राचार्य के रूप में 15 जनवरी को विधिवत कार्यभार ग्रहण किया।कार्यभार ग्रहण की प्रक्रिया प्राचार्य डॉ. एस. आर. कुंजाम अग्रणी महाविद्यालय, शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय की उपस्थिति में निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न हुई। नए प्रभारी प्राचार्य के पदभार ग्रहण करते ही दोनों महाविद्यालयों के शिक्षक एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नवपदस्थापित प्रभारी प्राचार्य चांडक ने कहा कि महाविद्यालयों की शिक्षण-व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यप्रणाली एवं आवश्यक संसाधनों पर विशेष ध्यान देना उनकी प्राथमिकता होगी।

जिले में 15 जनवरी तक हुई 3 लाख 03 हजार 940.0 क्विंटल धान की खरीदी

नारायणपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर प्रदेश सहित कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जिले के 17 विभिन्न धान उपार्जन केन्द्रों के जरिये जिले के पंजीकृत किसानों से अनवरत रूप से धान खरीदी की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के धान खरीदी केन्द्रों में 15 जनवरी तक 3 लाख 03 हजार 940.0 क्विंटल धान की खरीदी की गयी है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र एड़का में 23599.2 क्विंटल, गढ़बेंगाल में 20132.0 क्विंटल, कन्हारगांव में 11575.2 क्विंटल, सोनपुर में 1818.0 क्विंटल, चांदागांव में 14586.8 दण्डवन में 15901.2 क्विंटल, नारायणपुर में 26507.2 क्विंटल, धौड़ाई में 24126.0 क्विंटल, बेनूर में 32717.2 क्विंटल, बाकुलवाही में 27538.8 क्विंटल, बिंजली में 20119.6 क्विंटल और कुकड़झोर में 16557.2 क्विंटल धान की खरीदी की गई है।

संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में कोंडागांव ने रचा इतिहास

कोण्डागांव। संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुम्हरावंड, जगदलपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में बस्तर संभाग के सात जिलों की टीमों ने सहभागिता की, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कोंडागांव जिले ने लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान सुकमा जिले एवं तृतीय स्थान कांकेर जिले को प्राप्त हुआ। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पीछे कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान के कुशल नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन सभी सदस्यों ने विद्यार्थियों को विषयवस्तु की गहन समझ, संसदीय प्रक्रियाओं के अभ्यास, मंच अनुशासन तथा आत्मविश्वास पूर्ण प्रस्तुति के लिए निरंतर प्रशिक्षित किया इन सभी के सामूहिक प्रयासों ने कोंडागांव जिले को न केवल प्रथम स्थान दिलाया, बल्कि बस्तर संभाग में शैक्षणिक उत्कृष्टता की एक नई मिसाल भी स्थापित की। कोंडागांव जिले की ओर से स्वामी, आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय जामकोट, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोंडागांव तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोंडागांव के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यार्थियों ने संसदीय कार्यप्रणाली, समसामयिक विषयों पर प्रभावशाली तर्क-वितर्क, अनुशासित प्रस्तुति एवं उत्कृष्ट मंच संचालन का परिचय देते हुए निर्णायकों को विशेष रूप से प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप कोंडागांव की टीम विजेता बनी। कोंडागांव जिले की इस शानदार जीत ने न केवल जिले का गौरव बढ़ाया है, बल्कि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, नेतृत्व कौशल एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी समझ को भी प्रदर्शित किया है। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की ओर से टीम कोंडागांव के सभी सदस्यों एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं विशेष रूप से जिला की कलेक्टर महोदय नूपुर राशि पन्ना ने बच्चों के शानदार प्रदर्शन के लिए जिले में भी सम्मान करने का विचार व्यक्त किया है।

अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी एवं मॉनिटरिंग सेल के संबंध में कोण्डागांव जिले के अधिकारियों का बैठक हुआ सम्पन्न

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी एवं मॉनिटरिंग सेल की बैठक प्रधान न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कोंडागांव नुपूर राशि पन्ना, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोण्डागांव रेशमा बैरागी पटेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव गायत्री साय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल सम्मिलित रहे।

अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी - अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक में अनुशंसित बंदियों की समीक्षा की गई। विशेष रूप से ऐसे मामलों पर विचार किया गया जिसमें आरोपी अधिक समय से न्यायिक हिरासत में है जहां पर जमानत संभव है, अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की समीक्षा के अलावा सजायाफ्ता बंदियों की स्थिति पर भी चर्चा किया गया। मॉनिटरिंग सेल-मॉनिटरिंग सेल की मिटिंग में न्यायाधीशगण एवं कर्मचारीगण को आंबटित एवं आधिपत्य आवासों की जर्जर स्थिति सहित दैनिक उपयोगी मरम्मतों आवश्यकताओं की पूर्ति किये जाने एवं न्यायिक अधिकारियों के निर्माणाधीन आवास गृह के संबंध में व न्यायिक कर्मचारी आवास गृह निर्माण हेतु आबंटित भूमि एवं नवीन जिला न्यायालय भवन निर्माण के लिए /आंबटित/ अतिक्रमित/विवादित भूमि को शीघ्रता से परिवर्तित कर मंडी प्रांगण पर स्थित रिक्त शासकीय भूमि तत्काल आबंटित किये जाने हेतु एवं पीड़िता एवं बच्चों सहित पीड़िताओं के परिजनों के बैठने के लिए वातानुकूलित सुसज्जित पीड़िता एवं बच्चों के अनुकूल कक्ष शौचालय सहित बनाये जाने के संबंध में चर्चा किया गया। बैठक के पश्चात् मंडी प्रांगण पर स्थित रिक्त भूमि का मौके पर जिले के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण एवं जांच किया गया।

संक्षिप्त समाचार

9वीं सीनियर राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में सरगुजा की सुष्मिता चौहान ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

अंबिकापुर। चंडीगढ़ में 28 से 30 दिसंबर 2025 तक आयोजित 9वीं सीनियर राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप 2025ङ्क26 में सरगुजा जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले और छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम रोशन किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ प्रदेश गतका टीम की ओर से भाग लेते हुए सरगुजा जिले की सुष्मिता चौहान ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की, वहीं शिवरतन ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सुष्मिता चौहान का यह पदक उनके निरंतर अभ्यास और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर सरगुजा जिले की खेल प्रतिभा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। सरगुजा गतका कोऑर्डिनेटर रजत सिंह ने बताया कि गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में नियमित प्रशिक्षण के कारण जिले के खिलाड़ी लगातार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।इस उपलब्धि पर द गतका एसोसिएशन सरगुजा के सभी पदाधिकारियों ने सुष्मिता चौहान को ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर तथा शिवरतन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की।

पटना में भव्यता के साथ संपन्न हुआ फिल्म 'साजन का घर प्यारा लगे' का शुभ मुहूर्त

पटना। 16 जनवरी द्मश्र- राजधानी पटना के किदवईपुरी में एक भव्य समारोह के दौरान आगामी फीचर फिल्म 'साजन का घर प्यारा लगे' का शुभ मुहूर्त विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। निर्माता डॉ. एन होडा और कमरुल खान द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन युवा निर्देशक अभिषेक तिवारी कर रहे हैं। फिल्म के मुहूर्त के दौरान निर्देशक अभिषेक तिवारी ने फिल्म की कहानी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह सिनेमा आम ढर्रे से हटकर होगा। उन्होंने कहा, यह फिल्म मुख्य रूप से दो महिलाओं की कहानी है। इसमें रिश्तों की अहमियत, विश्वास और अपनों के बीच पनपते दुराव (अलगाव) की भावना के द्वंद्व को बेहद संजीदगी से दिखाया जाएगा। यह एक ऐसी फिल्म होगी जिससे हर परिवार जुड़ाव महसूस करेगा। फिल्म के निर्माताओं ने जानकारी दी कि 'साजन का घर प्यारा लगे' की शूटिंग आगामी 15 मार्च से शुरू की जाएगी। फिल्म को विजुअली रिच बनाने के लिए इसकी शूटिंग बिहार के ऐतिहासिक स्थलों गया और बोधगया के अलावा राज्य के विभिन्न खूबसूरत लोकेशन्स पर की जाएगी। मुहूर्त के इस शुभ अवसर पर फिल्म जगत, साहित्य और मीडिया से जुड़ी कई मशहूर हस्तियां मौजूद रहीं और उन्होंने पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथियों में प्रोफेसर जय देव, निर्देशक प्रशांत रंजन, लेखक-निर्देशक कुमार सरोज, लेखक-निर्देशक रितेश परमार, अभिनेत्री माही खान, अभिनेता सुजीत सुगना, अभिनेता शुभम दुबे, समाचार प्रस्तोता हर्ष चौधरी, निर्माता सुबीर कुमार और यशवंत कुमार शामिल थे। सभी अतिथियों ने फिल्म के टाइटल और विषय वस्तु की सराहना की और बॉक्स ऑफिस पर इसकी सफलता की कामना की।

तातापानी महोत्सव में एक ही मंच पर शासन की योजनाएँ और नवाचार विभागीय स्टॉल बने जनजागरूकता का माध्यम.....

बलरामपुर। तातापानी तीन दिवसीय महोत्सव परिसर में शासन की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जिले में हुए विकास कार्यों को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। जहाँ लोगों को योजनाओं की जानकारी के साथ लाइव स्टाल के माध्यम से जन हितकारी कार्ड बनाए गए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए स्थानीय उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी के माध्यम से समूहों की मेहनत, कौशल एवं आत्मनिर्भरता की झलक देखने को मिली। साथ ही आजीविका डबरी योजना, प्रधानमंत्री आवास तथा अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के संबंध में भी विस्तृत जानकारी साझा की गई।ग आदिवासी विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में प्रधानमंत्री जनमन योजना की जानकारी के साथ-साथ एकलव्य आवासीय विद्यालयों के बच्चों द्वारा बनाई गई कला कृतियों ने दर्शकों का मन मोहा। स्टॉल में प्रदर्शित चित्रकला, हस्तशिल्प एवं रचनात्मक कलाओं के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा, कल्पनाशीलता झलक दिखी साथ ही पीएम जनमन योजना के अंतर्गत आदिवासी अंचलों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी सुविधाओं को लेकर शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की गई, जिसे आगंतुकों ने सराहा। पुलिस विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में आमजन को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा तथा साइबर जागरूकता के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान लोगों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, गति सीमा का पालन, नशे में वाहन न चलाने तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव को लेकर मोबाइल व इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग,

ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने तथा सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी समझाइश दी गई। पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजन से नियमों का पालन करने की अपील करते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में आमजन को तंबाकू नियंत्रण एवं इसके दुष्परिणामों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, कैंसर, हृदय रोग एवं श्वसन संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया गया। लोगों को तंबाकू से दूरी बनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत आमजनों को ऑनलाइन सेवाओं एवं डिजिटल सुविधाओं के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान विभिन्न शासकीय सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त करने, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन आवेदन, प्रमाण पत्र, एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की ई-सेवाओं के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित स्टॉल में जैविक एवं एकीकृत खेती तथा फूलों की खेती का जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस दौरान किसानों एवं आमजन को जैविक खादों के उपयोग, फसल विविधीकरण तथा कम लागत में अधिक उत्पादन की तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। फूलों की खेती के माध्यम से आयवर्धन की संभावनाओं, बाजार की मांग एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों पर भी प्रकाश डाला गया। साथ ही माटी कला प्रदर्शन, ट्राइबल फूड स्टॉल खास आकर्षण का केन्द्र रही। इस तीन दिवसीय महोत्सव में 25 विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को जानकारी साझा करते हुए लाभान्वित किया गया।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर स्थायी शिक्षा समिति की अहम बैठक संपन्न

प्रेमनगर/ सूरजपुर:- स्थायी शिक्षा समिति की अहम समीक्षा बैठक कार्यालय विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रेमनगर में संपन्न हुई जो जनपद उपाध्यक्ष व स्थायी शिक्षा समिति के सभापति पूनिया राजवाड़े के अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इस बैठक में शिक्षा समिति के सदस्यों में अशोक कुमार सिंह श्याम, मुन्नी बाई उईके, किरण साहू, सहोदर आयाम, बीईओ प्रताप पैंकरा, बीपीओ रमेश कुमार जायसवाल उपस्थित रहे। बता दें कि प्रेमनगर स्थायी शिक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई इस बैठक में शिक्षा व्यवस्था के अनेक मुद्दों को बैठक एजेंडा में शामिल कर इस पर सुधारात्मक चर्चा किया गया। जिसमें महत्त्वपूर्ण बिंदु शाला भवन, पेयजल, विद्युत, व्यवस्था, शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजना, शिक्षा गुणवत्ता/ शिक्षक/

विद्यार्थियों को उपस्थिति, परीक्षा पर चर्चा सहित अनेक मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा किया गया। इस बैठक में शिक्षा समिति के द्वारा महत्वपूर्ण बिंदु परीक्षा पर फोकस किया गया जिसमें विकास खंड के समस्त विद्यालयों में परीक्षा को ध्यान में रखते हुए पढ़ाई चल रही की नहीं इस पर मॉनिटरिंग बीईओ पैंकरा को जिम्मेदारी सौंपी है। न्योता भोजन छत्तीसगढ़ में शुरू की गई एक सामुदायिक भागीदारी वाली पहल है, जो स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन के अतिरिक्त पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन (जैसे फल, मिठाई, या पूरा भोजन) उपलब्ध कराने पर केंद्रित है, जिससे पोषण बढ़े और अपनेपन की भावना विकसित हो यह स्वैच्छिक है और जन्मदिन, वर्षगाँठ जैसे खास मौकों पर कोई भी व्यक्ति या संगठन योगदान कर सकता है इसी तारतम्य में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की अधीक्षिका स्वाति बरगाह के द्वारा हॉस्टल के सभी छात्राओं को न्योता भोज के तहत पोषक भोजन कराया गया।

भोजपुरी कलाकारों के रंगारंग कार्यक्रमों से हुआ तातापानी महोत्सव का समापन

बलरामपुर। तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव के समापन समारोह में जिले के विभिन्न विद्यालय और महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के साथ भोजपुरी कलाकारों ने एक से बढ़ कर एक गीतों की प्रस्तुति दी इस दौरान स्थल पूरी तरीके से दर्शकों से भरा रहा। तातापानी महोत्सव के समापन के दिन जिले के विभिन्न विद्यालय और महाविद्यालयीन छात्रों ने तातापानी के मंच अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और विभिन्न विधाओं के नृत्य शैली और नाटक के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित किया। भोजपुरी सिनेमा के दिग्गज कलाकारों ने तातापानी महोत्सव के समापन समारोह में अपनी प्रस्तुतियां दी जिसमे भोजपुरी रितेश पांडेय ने भोजपुरी गीतों से संस्कृतिक संध्या की शमां बांधी। इसके साथ भोजपुरी सिनेमा की

मशहूर कलाकार डिंपल सिंह, खुशी कक्कड़ ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में लगातार एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं गीतों का सिलसिला चला इस दौरान उपस्थित दर्शको ने बड़े उत्साह पूर्वक तालियों की गड़गड़ाहट से इन कलाकारों का सम्मान किया। बलरामपुर-रामनुजगंज जिले में मनाये जाने वाले ऐतिहासिक तातापानी महोत्सव में पड़ोसी राज्यो से भारी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक आते है स्थानीय मांग के अनुसार तातापानी समापन समारोह की सांस्कृतिक संध्या में आमंत्रित भोजपुरी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी, कार्यक्रम में पड़ोसी राज्यो से काफी संख्या दर्शक जुटे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर रमनलाल, डीएफओ श्री आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री हीरामुनि निकुंज, उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित, समेत जिले के जनप्रतिनिधिगण व अधिकारी कमर्चारी व बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

सुशासन सरकार की नीतियों से किसान हुआ आत्मनिर्भर और निशिंचत

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की सुशासन आधारित नीतियों का सकारात्मक प्रभाव अब प्रदेश के खेतों तक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। शासन की पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था और सर्वाधिक समर्थन मूल्य से छोटे एवं बड़े सभी किसानों को समान रूप से उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल रहा है, जिससे किसानों का जीवन स्तर सुदृढ़ हो रहा है। कोरबा जिले के ग्राम कल्दामार निवासी कृषक श्री अरुण कुमार इसकी मिसाल हैं, उन्होंने उपार्जन केंद्र भैंसमा में इस वर्ष 190 क्विंटल धान का विक्रय बिना किसी असुविधा के किया। गत वर्ष भी उन्होंने लगभग 350 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया था। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी टिकैतिन बाई के नाम से टोकन कटवा कर धान विक्रय की प्रक्रिया पूर्ण की। कृषक श्री कुमार का कहना है कि शासन की पहल से उपार्जन केंद्रों में सभी आवश्यक सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध हैं। उच्च समर्थन मूल्य मिलने से अब किसानों को अगली फसल के लिए आर्थिक चिंता नहीं रहती और उन्हें उधार लेने की मजबूरी से भी मुक्ति मिली है। खेत से लेकर धान विक्रय तक की पूरी प्रक्रिया आज किसानों के लिए सहज, सुरक्षित और तनावमुक्त हो गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान व्यवस्था ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाया है और वे अब समृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। किसानों के हित में संचालित योजनाओं और प्रभावी नीतियों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

समूहों के नाम पर संचालित ईट भट्टे पर भी अवैध कोयले का उपयोग,प्रशासन बेखबर

लखनपुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुमगराकला ,गुमगरा खुर्द, कटकोना परसोडीकला, बिनकरा, पूहपुटरा, आदि क्षेत्र में बाइकर गैंग के माध्यम से अमेरा खदान तथा रेहर खदान से अवैध रूप से कोयले का परिवहन कर गमला ईट भट्ठा में इन दिनों बड़े पैमाने पर खपाया जा रहा है। इसकी जानकारी होने के बावजूद इन पर कार्यवाही नहीं होने के कारण तस्करों का हौसला बुलंद होता जा रहा है। गुमगरा कला में एक समूह के द्वारा संचालित ईट भट्ठे पर अवैध कोयले का उपयोग लखनपुर थाना क्षेत्र के गुमगरा कला में एक समूह के द्वारा संचालित ईट भट्टे पर भी अवैध रूप से कोयले का उपयोग बड़े मात्रा पर किया जा रहा मिली जानकारी अनुसार स्व. सहायता समूह के द्वारा ईट भट्ठा में बोरी मे भरा हुआ प्राप्त हुआ जिसका उपयोग कोयला खरीद कर ईट भट्टे में उपयोग किया जा रहा है

गुमगरा खुर्द के कई ईट भट्ठों का संचालन , घरों पर रखा गया है अवैध कोयला

गुमगराखुर्द में अवैध ईट भट्ठा का संचालन करने के साथ ही घरों में बड़ी मात्रा पर अवैध कोयले का भंडारण किया गया है मिली जानकारी अनुसार बरतीपारा में शिवनंदन , नामक व्यक्ति के द्वारा ईट भट्ठा का संचालन किया जा रहा है वही विशाल अपने घर में बड़ी मात्रा पर अवैध कोयले का भंडारण किए हैं इसी प्रकार से गांव के अन्य जगहों पर भी बड़े मात्रा पर कोयला का अवैध भंडारण किया है । ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासनिक तौर पर यदि कड़ी कार्यवाही की जाए तो क्षेत्र में करोड़ों रुपए का अवैध कोयला का कारोबार संचालित हो रहा है साथ ही करोड़ों रुपए का कोयला का भंडारण भी कई घरों में प्राप्त होगी।

युवा उड़ान में सरगुजा के विद्यार्थियों को मिलेगा करियर मार्गदर्शन और प्रेरणा का अनोखा मंच....

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग द्वारा सरगुजा जिले में विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी और करियर-उन्मुख कार्यक्रम युवा उड़ान 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य कार्यक्रम 22 जनवरी 2026 को प्रात: 11 बजे कला केंद्र मैदान, अंबिकापुर में आयोजित होगा। यह जानकारी आज छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय तोमर ने जिले के वरिष्ठ प्रोफेसरों व शिक्षकों का सम्मान करते हुए कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन के शुभ अवसर पर दी। उन्होंने प्रेस को बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देश के प्रतिष्ठित और सुप्रसिद्ध व्यक्तित्वों की उपस्थिति है। सुपर 30 के संस्थापक और पद्मश्री से सम्मानित गणितज्ञ आनंद कुमार विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और सफलता के वास्तविक मंत्र बताएंगे। उनके प्रेरक विचार लाखों विद्यार्थियों को नई दिशा दे चुके हैं। इसके साथ ही देशभर के युवाओं के बीच लोकप्रिय लेखक नीलोत्पल मृणाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे और छात्रों से सपनों, संघर्ष, अनुशासन और करियर से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेरणादायी विचार साझा करेंगे। आगे उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सरगुजा के विद्यार्थियों में शिक्षा, करियर विकल्पों और भविष्य की तैयारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि उन्हें सही दिशा और मार्गदर्शन मिल सके। यह कार्यक्रम कक्षा 9वीं से लेकर कॉलेज तक के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। बड़े स्तर पर होने वाले इस आयोजन में छात्रों को प्रेरणा, आत्मविश्लेषण और करियर निर्माण के

महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने का अवसर प्राप्त होगा। उपस्थित विद्यार्थियों को अध्ययन रणनीतियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर संभावनाओं और जीवन कौशल पर व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। युवा उड़ान 2026 सरगुजा के विद्यार्थियों के लिए एक अनोखा और महत्वपूर्ण अवसर है, जहाँ वे देश के शीर्ष प्रेरक वक्ताओं से सीखने, समझने और अपने सपनों को नई ऊँचाई देने के लिए प्रोत्साहित होंगे। युवा आयोग ने जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों, शिक्षण संस्थानों और अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को भाग लेने हेतु प्रेरित करें, ताकि अधिक जनभागीदारी से इस पहल का अधिकतम लाभ मिल सके। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार झा, वरिष्ठ प्रोफेसर व शिक्षक सर्व श्री बी. के. वर्मा, एस. के. त्रिपाठी, आर. के. सेगर, सुदामा मिश्र, कैलाश दीक्षित, ब्रजेश पाण्डेय, देवेंद्र नाथ दुबे, दिवाकर वर्मा, दिनेश्वर भगत व संतोष दास सरल, रविशंकर तिवारी, रामकुमार, तथा सर्वजीत पाठक सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने धान उपार्जन केंद्र बरपाली का किया औचक निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कोरबा विकासखंड के ग्राम बरपाली स्थित धान उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में पहुंचे किसानों के धान की नमी और गुणवत्ता को स्वयं परखकर खरीदी की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर श्री दुदावत ने ग्राम डोंगरीभागठा के किसान श्री उमेंद सिंह, नारायण सिंह से संवाद भी किया। किसान ने बताया कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टोकन कटाया था और आज बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पा रहे हैं। कलेक्टर ने संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर वास्तविक एवं पात्र किसानों से ही धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए और किसी भी स्थिति में बिचैलियों को बढ़ावा न दिया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उपार्जन केंद्र में आने वाले धान की अनिवार्य रूप से पलटी कराकर ढेरी लगाई जाए तथा नमी की जांच के बाद ही खरीदी की जाए। पुराने, अवमानक एवं अनुपयोगी धान की खरीदी पर पूर्णत: रोक रहेगी। कलेक्टर ने कहा कि धान बेचने आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए सभी सजग रहें।

माघ मेले को क्यों कहते हैं मिनी कुंभ?

हिंदू धर्म में प्रयाग की पावन धरती पर माघ महीने किए जाने वाले कल्पवास का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है। पूरे एक मास तक संगम की रेती पर किए जाने वाले जप, तप और व्रत से जुड़े कल्पवास को लेकर धर्मशास्त्र में कुछेक नियम बताए गये हैं, जिसे फॉलो किए बगैर उसका पुण्यफल प्राप्त नहीं होता है। प्रयागराज के पावन त्रिवेणी संगम पर भले ही कुंभ हर 12 साल में और अर्धकुंभ 6 साल में लगता हो लेकिन यहां पर माघ का मेला हर साल लगता है।

आस्था से जुड़े इस मेले में देश के कोने-कोने से लोग स्नान-दान, जप-तप, साधना-आराधना और यज्ञ आदि करते हुए हर साल माघ मास में कल्पवास करते हैं। हिंदू मान्यता के अनुसार माघ मास के दौरान सिर्फ आम आदमी ही नहीं बल्कि 33 कोटि देवता भी प्रयाग की इस पावन भूमि पर आकर निवास करते हैं। प्रयाग में किए जाने वाले कल्पवास के बारे में महाभारत में बड़ी महिमा बताई गई है। महाभारत के अनुसार 100 साल बगैर कुछ अन्न, जल आदि को ग्रहण किए तपस्या करने का जो फल प्राप्त होता है, वह महज एक महीने संगम नगरी प्रयागराज में विधि-विधान से कल्पवास करने मात्र से ही प्राप्त हो जाता है।

पुराणों के अनुसार इस पावन तीर्थ पर किए जाने वाले कल्पवास से सभी पापों का नाश और पुण्य की प्राप्ति होती है। आइए प्रयागराज में किए जाने वाले कल्पवास से जुड़े उन नियमों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिसको फालो किए बगैर यह कल्पवास सफल नहीं होता है।

सनातन परंपरा में जिस कल्पवास को कष्टों से मुक्ति और तमाम कामनाओं की पूर्ति समेत मोक्ष का सबसे बड़ा साधन बताया गया है, उसका पुण्यफल पाने के लिए 10 बड़े नियमों का विशेष रूप से पालन करता होता है।

कल्पवास के 10 बड़े नियम

1. कल्पवास करने वाले साधक को पूरे एक माह तक दिन में तीन बार यानि प्रात:काल सूर्योदय से पहले, दोपहर में और शाम के समय संगम या फिर गंगा स्नान करना होता है।
2. प्रयागराज में कल्पवास करने वाले व्यक्ति को प्रतिदिन त्रिकाल संध्या करनी होती है।
3. कल्पवास करने वाले व्यक्ति को प्रयाग की पावन भूमि पर तुलसी और जौ के बीज बोकर उसे प्रतिदिन जल देना चाहिए।
4. कल्पवास करने वाले व्यक्ति को प्रतिदिन स्वयं पकाकर भोजन खाना होता है। कल्पवास के दौरान दिन में सिर्फ एक बार भोजन का विधान है।
5. कल्पवास करने वाले व्यक्ति को खाली समय में धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन या फिर सत्संग आदि में शामिल होकर धर्म की चर्चा का श्रवण करना चाहिए।
6. कल्पवास करने वाले व्यक्ति को अपनी सभी इंद्रियों पर संयम रखते हुए पूरी तरह से ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।
7. कल्पवास करने वाले व्यक्ति को अपने पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए उनका पिंडदान करना चाहिए।
8. कल्पवास करने वाले व्यक्ति को भूलकर भी दूसरों की आलोचना, निंदा, हिंसा, क्रोध और असत्य भाषण नहीं करना चाहिए।
9. कल्पवास के दौरान साधक को अपने सामर्थ्य के अनुसार साधु-संतों और जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र और धन आदि का दान करना चाहिए।
10. कल्पवास करने वाले व्यक्ति को जमीन पर सोना चाहिए और भूलकर भी मेला क्षेत्र को छोड़कर नहीं जाना चाहिए।

किचन में डस्टबिन रखना चाहिए या नहीं?

जानिए वास्तु से जुड़े नियम

वास्तु शास्त्र में किचन को बहुत अहम स्थान बताया गया है। मान्यता है कि ये पूरे घर की ऊर्जा से जुड़ी होती है। ऐसे में यदि किचन में वास्तु के मुताबिक चीजें नहीं रखी गई हो, तो परिवार में नकारात्मकता बढ़ता है।

ऐसा करना सही है या गलत?

साथ ही इसका प्रभाव परिवार की सेहत और सुख-शांति पर भी पड़ता है। ऐसे में कुछ लोग किचन में डस्टबिन रखते हैं। चलिए जानते हैं कि ऐसा करना सही है या गलत?

किचन में ना रखें डस्टबिन

वास्तु की मानें, तो किचन में डस्टबिन रखना शुभ नहीं माना जाता। ऐसा माना जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मां अन्नपूर्णा की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

बुरा असर

किचन में डस्टबिन रखने से धीरे-धीरे घर के माहौल, रिश्तों और मानसिक शांति पर पड़ने लगता है। हालांकि अगर मजबूरी में डस्टबिन किचन में रखना ही पड़े, तो कुछ नियमों का पालन करना जरूरी होता है।

सही दिशा

डस्टबिन रखने के लिए घर की दक्षिण दिशा या दक्षिण-पश्चिम यानी नैऋत्य कोण को सबसे सही माना गया हैष इस दिशा से नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है, इसलिए यहां डस्टबिन रखना सुरक्षित माना जाता है।

उत्तर दिशा में ना रखें

भूल से भी उत्तर दिशा में डस्टबिन नहीं रखना चाहिएष वास्तु के अनुसार ऐसा करने से दरिद्रता, झगड़े और मानसिक अशांति बढ़ सकती है।

मंदिर में भी ना रखें

इसके अलावा मंदिर के नीचे या पास डस्टबिन रखना भी अशुभ माना जाता है, क्योंकि इससे मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर डस्टबिन रखते हैं, तो इन बातों का जरूर ध्यान रखें कि डस्टबिन हमेशा ढक्कन वाला होना चाहिए। उसे रोज खाली करें और साफ रखें, ताकि गंदगी जमा न हो। मान्यता है कि साफ-सफाई रखने से नकारात्मक ऊर्जा अपने आप कम हो जाती है और घर का माहौल हल्का बना रहता है।

सर्दियों में कपड़े सूखाने की अब टेंशन हुई खत्म

अपनाएं ये 8 आसान उपाय

सर्दियों में कपड़े जल्दी सूखना हमेशा एक चुनौती बन जाता है। सूरज की कमी या लगातार बारिश के कारण गीले कपड़े लंबे समय तक नमी में रहते हैं और बदबू भी पैदा कर सकते हैं। इससे रोज़मर्रा के काम, बच्चों की स्कूल यूनिफॉर्म या ऑफिस की शर्ट सूखने में देर होने से परेशानी होती है। गीले कपड़े पहनना न सिर्फ असुविधाजनक है, बल्कि कई बार शर्मिंदगी भी बढ़ा देता है। लेकिन अब टेंशन की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू टिप्स और छोटे-छोटे हैक्स अपनाकर आप बिना धूप के भी कपड़ों को तेजी से सूखा सकते हैं, जिससे आपका रुटीन भी बन जाएगा आसान और कपड़े हमेशा ताजगी से भरे रहेंगे।

सही जगह चुनना सबसे जरूरी

कपड़े सुखाने के लिए सबसे पहला कदम है सही जगह का चुनाव। हमेशा कोशिश करें कि कपड़े ऐसी जगह टांगे जाएं जहां हवा आती-जाती रहे, जैसे बालकनी, खिड़की या दरवाजे के पास। बंद कमरे में कपड़े सुखाने से नमी रहती है और बदबू का खतरा बढ़ जाता है।

पंखे की हवा से जल्दी सूखेंगे कपड़े

अगर घर में सीलिंग फैन या टेबल फैन है, तो उसका इस्तेमाल करें। गीले कपड़े हैंगर पर टांगें और सामने पंखा चलाएं। हवा लगने से नमी जल्दी उड़ जाती है। ये तरीका टी-शर्ट, दुपट्टे और बच्चों के कपड़ों के लिए काफी फायदेमंद है।

तौलिया बन सकता है आपका हथियार

गीले कपड़े को एक साफ और सूखे तौलिये में लपेटें और हल्के हाथ से दबाएं। तौलिया कपड़े की अतिरिक्त नमी सोख लेता है। इसके बाद कपड़े को हैंगर पर टांगें, और वो जल्दी सूख जाएगा।

आयरन से निकालें नमी और बदबू

अगर कपड़े थोड़े गीले हैं, तो हल्की गर्म प्रेस से काम बन जाता है। ये कपड़ों की नमी और बदबू दोनों हटा देती है। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत गीला न हो और ऊपर से सूती कपड़ा रखें, ताकि कपड़ा खराब न हो।

रस्सी छोड़, हैंगर अपनाएं

कपड़े अगर रस्सी पर चिपका-चिपका टंगे हों, तो सूखने में ज्यादा समय लगता है। हैंगर पर टांगने से कपड़े चारों तरफ से खुले रहते हैं और हवा सही से लगती है। हैंगर के बीच थोड़ी दूरी रखना जरूरी है।

हेयर ड्रायर भी काम आएगा

अगर जल्दी में कोई छोटा कपड़ा, मोज़े या बच्चों के कपड़े सूखाने हैं, तो हेयर ड्रायर इस्तेमाल कर सकते हैं। ड्रायर कपड़े से थोड़ी दूरी पर रखें, ताकि कपड़ा जले नहीं।

हीटर या ब्लोअर से गर्म हवा

सर्दियों में हीटर या ब्लोअर अक्सर घर में चलते रहते हैं। कपड़े हैंगर पर टांग कर उसी कमरे में रखें और हीटर चालू करें। ध्यान रखें कपड़े हीटर के बहुत पास न हों, नहीं तो जलने का डर रहता है।

वॉशिंग मशीन का ड्रायर ऑप्शन

अगर आपकी वॉशिंग मशीन में ड्रायर ऑप्शन है, तो ये सबसे आसान तरीका है। ड्रायर कपड़े की ज्यादातर नमी निकाल देता है और बाद में जल्दी सूख जाते हैं।

सुबह की ये 5 सबसे बुरी आदतें सेहत के लिए है खतरनाक

पुराने जमाने में मोबाइल या कॉफी-चाय का उतना ट्रेंड नहीं था, तब लोग सुबह 4-5 बजे उठकर व्यायाम करते थे और फिर दातुन करने के बाद नाश्ता कर लेते थे। उस जमाने के लोग आज भी स्वस्थ जीवन जी रहे हैं और कई लोगों की उम्र 80 से ऊपर रहती है। लेकिन आजकल मोबाइल, चाय, कॉफी जैसी चीजों ने सेहत को खतरे में डाल दिया है और हमने इन खराब आदतों को आसानी से अपना लिया है। सुबह की कुछ ऐसी आदतें हैं, जो अगर आप अपनाते हैं, तो अपने दिल, दिमाग, सेहत को खराब कर रहे हैं। कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर का कहना है कि इन आदतों को आज से ही छोड़ना शुरू करें, चलिए इनके बारे में बताते हैं।

ब्रेकफास्ट स्किप- ज्यादातर युवा आजकल बिना नाश्ता किए ही ऑफिस भाग जाते हैं या फिर उनके नाश्ते में हेल्दी कुछ नहीं होता। चाय पी, दो बिस्किट खा लिए हो गया नाश्ता। ये नाश्ता किसी काम का नहीं है और न ही इससे आपका दिमाग एक्टिव होता है और ही सेहत को फायदा। सुबह के नाश्ते में आप पराठा, ओट्स, दलिया, स्प्राउट्स, स्मूदी वगैरह खाए-पिएं, तो अच्छा है। नाश्ता स्किप करना खराब आदत है, इससे पूरे दिन शरीर थकान से भरा रहता है और सीधा हैवी लंच करने से पेट खराब होता है।

चाय या कॉफी- सुबह उठे बेड पर ही चाय या कॉफी मिल गई, खाली पेट पीली। खाली पेट कैफीन का सेवन आपको बीमार कर सकता है। चाय या कॉफी पीने से आपका पेट खराब हो सकता है, दिमाग पर असर होता है और कैफीन ब्लड प्रेशर भी बढ़ा सकता है। चाय या कॉफी आप नाश्ता करने के बाद ही पिएं या कुछ हैवी खाते हुए पिएं।

अलार्म पर उठना- आजकल लोग एक-दो नहीं कई अलार्म खुद को जगाने के लिए लगाते हैं। अगर आप पहले अलार्म में ही चौंककर उठकर बैठ रहे हो, तो गलत है। अलार्म सुनने पर चौंककर उठने पर हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है। तुरंत उठकर किसी भी काम के लिए बिल्कुल भी न बैठें बल्कि थोड़ा सा स्ट्रेचिंग करें या रूम वॉक कर लें।

मोबाइल स्क्रॉलिंग- आजकल हर किसी की आदत है, उठते ही मोबाइल चेक या स्क्रॉलिंग करना। सुबह उठते ही ब्लू लाइट वाली स्क्रीन चेक करने से आंखों की रोशनी पर बुरा असर होता है और साथ ही दिमाग पर भी। अगर आपने सुबह कोई ऐसी खबर देख ली, जो अच्छी नहीं है तो दिल भी घबरा जाता है। इसलिए सुबह उठते ही मोबाइल न छुएं।

इग्नोर वॉटर एंड सनलाइट- अगर आप सुबह उठते ही खुद को हाइड्रेट कर लेते हैं, तो शरीर को काफी फायदा होता है। इससे आपका दिल-दिमाग भी बेहतर होता है। सुबह उठकर नॉर्मल या गुनगुना पानी पीने की आदत डालें और अगर आपको कही से भी धूप मिल रही है, तो 5 मिनट के लिए सनलाइट जरूर लें। ये शरीर के लिए अच्छा है और इससे विटामिन डी मिलेगा।

साड़ी-सूट के कलर और ज्वैलरी की मैचिंग को लेकर सिंपल रूल जान लें

इंडियन वियर की खूबसूरती ज्वैलरी के बगैर अधूरी लगती है, लेकिन ज्यादातर लेडीज कंफ्यूज रहती हैं कि आखिर कौन से कलर की साड़ी या सूट के साथ कौन से कलर की ज्वैलरी को मैच किया जाए। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो ये सिंपल ज्वैलरी गाइड को याद रखें। जिनकी मदद से आप बेसिक कलर और सिल्वर या गोल्ड ज्वैलरी के कॉम्बिनेशन को समझ सकेंगी।

नीले रंग के साथ पहनें सिल्वर

बेसिक नीले रंग के कलर के कपड़ों के साथ सिल्वर कलर की ज्वैलरी खूबसूरत दिखती है। नीले रंग कूल टोन का होता है और ऐसे कलर के साथ सिल्वर ज्वैलरी ज्यादा खूबसूरत लगती है। तो अगर आप डार्क ब्लू जैसे शेड के सूट या साड़ी को वियर कर रही हैं तो उसके साथ सिल्वर ज्वैलरी को पहनें।

लाल रंग के साथ बेस्ट दिखता है गोल्ड

अगर आप लाल रंग के सूट, साड़ी या फिर वेस्टर्न वियर को कैरी कर रही हैं तो साथ में गोल्ड ज्वैलरी पहनें। लाल रंग के साथ गोल्ड का कॉम्बिनेशन ऑल टाइम फेवरेट होता है।

ग्रीन कलर के साथ गोल्ड ज्वैलरी

ग्रीन कलर के शेड्स के साथ ज्यादातर गोल्ड ज्वैलरी ही फिट बैठती है। अगर किसी सूट या साड़ी में एंब्रायडरी भी होगी तो ज्यादातर वो गोल्डन कलर की ही मिलेगी।

ग्रे कलर के साथ कौन से कलर की ज्वैलरी पहनें

अगर आपने ग्रे कलर की ज्वैलरी को वियर किया है,तो इसके साथ सिल्वर ज्वैलरी का कॉम्बिनेशन परफेक्ट दिखता है। ग्रे कलर कूल टोन हैं और सिल्वर एंब्रायडरी या ज्वैलरी इस कलर के साथ पूरी तरह से फिट बैठती है।

ब्राउन कलर

ब्राउन कलर के आउटफिट के साथ ज्वैलरी का कलर नहीं मैच कर पा रही हैं तो सबसे सिंपल रूल याद रखें कि वार्म टोन कलर के साथ गोल्ड ज्वैलरी ज्यादा बेटर दिखती है। जैसे कि ब्राउन कलर के साथ गोल्ड शेड में ज्वैलरी बेस्ट दिखेगी।

पिंक कलर के साथ सिल्वर ज्वैलरी

गुलाबी रंग के शेड के साथ आमतौर पर सिल्वर ज्वैलरी फिट बैठती है। लेकिन पिंक कलर ऐसा है जिसके साथ आप व्हाइट टोन ज्वैलरी लाइक पर्ल को भी आसानी से मैच कर पहन सकती हैं।

ज्यादा भारी बैंगन हो सकता है कड़वा

रसोई में स्वाद का पूरा खेल सही सामग्री चुनने से शुरू होता है। खासकर बैंगन जैसी सब्जी जो थोड़ी सी लापरवाही के कारण कड़वी हो सकती है। कुकिंग एक्सपर्ट ने बैंगन खरीदने को लेकर एक बेहद आसान लेकिन असरदार टिप साझा की है जो हर गृहिणी और होम कुक के काम आ सकती है।

सही बैंगन चुनने से ना सिर्फ स्वाद बेहतर होता है, बल्कि खाना पकाने में समय भी कम लगता है। चाहे आप भरवां बैंगन बना रहे हों, भर्ता या साधारण सब्जी- सही बैंगन डिश का स्वाद कई गुना बढ़ा देता है। इसलिए अगली बार सब्जी मंडी या सुपरमार्केट जाते समय सिर्फ साइज देखकर बैंगन ना उठाएं। उसे हाथ में लेकर उसका वजन जांचें और इस आसान नुस्खे को अपनाकर हर बार स्वादिष्ट बैंगन की सब्जी बनाएं।

बैंगन खरीदते समय उसका वजन सबसे अहम संकेत होता है। अगर कोई बैंगन अपने आकार के मुकाबले बहुत ज्यादा भारी लगे तो समझ जाइए कि उसके अंदर बीजों की मात्रा ज्यादा है। ज्यादा बीज वाला बैंगन अक्सर पकाने पर कड़वा स्वाद देता है और उसकी बनावट भी रेशेदार हो जाती है। ऐसे बैंगन से चाहे भर्ता बनाएं या भरवां सब्जी, स्वाद बिगड़ने का खतरा रहता है।

इसके उलट, सही बैंगन वही माना जाता है जो आकार में हल्का, छिलके से चमकदार और चिकना हो। हल्के बैंगन में बीज कम होते हैं जिससे वह जल्दी गलता है और स्वाद में भी बेहतरीन होता है। बैंगन को हाथ में उठाकर महसूस करना खरीदारी का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका है।

इसके अलावा, बैंगन की डंठी पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर डंठी हरी और ताजा हो, तो यह संकेत है कि बैंगन नया और फ्रेश है। सूखी, मुरझाई या काली डंठी वाले बैंगन से बचना चाहिए। वहीं, छिलके पर झुर्रियां, कट या दाग-धब्बे भी उसकी गुणवत्ता खराब होने का संकेत देते हैं।

कान में चला जाए पानी तो निकालने का हैक

नहाते वक्त या कई बार स्वीमिंग करने के दौरान कान में पानी घुस जाता है। जिसकी वजह से काफी डिसकंफर्ट फील होता है और अक्सर लोग अलग-अलग तरीकों की मदद से निकालने की कोशिश करते हैं। जो कि पूरी तरह से गलत है। खासतौर पर कान में घुसे पानी को निकालने के लिए कॉटन स्वैब का इस्तेमाल करना तो पूरी तरह से गलत है। बिना जानकारी के खुद से किए गए प्रयास कान के पर्दों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपके कानों में इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। अगर कान में पानी चला जाए तो बगैर घबराए डॉक्टर की बताई ये 3 हैक को ट्राई करें। आसानी से पानी बाहर आ जाएगा।

कान से पानी निकालने का पहला हैक

कान में अगर नहाते वक्त पानी घुस गया है और आप उसे बाहर निकालना चाहते हैं तो कान के डॉक्टर ने बहुत ही सिंपल हैक बताया है। जिस साइड में पानी घुसा है सिर को उसी साइड झुकाएं और कान को हल्का सा खींचे। फिर हल्का-हल्का सा जंप करें। ऐसा करने से कान में घुसा पानी बड़े ही आसानी से निकल जाएगा।

दूसरा हैक

कान के ऊपर हथेली को रखें और तेजी से दबाकर छोड़े। कान के अंदर जो आवाज सुनाई देगी वो सक्शन पंप जैसी आवाज होगी और पानी आसानी से बाहर निकल जाएगा।

तीसरा हैक

और ध्यान रखे कि बच्चों के साथ ना अप्लाई करें। इसमे हेयर ड्रायर को लो हीट पर सेट करें और कान से करीब दस इंच की दूरी से चलाकर 5 सेकेंड हवा दें। फिर हटा लें। इसी तरह से दो से तीन बार प्रोसस को करें। ऐसा करने से भी कान में घुसा पानी सूख जाएगा। और ध्यान रखे कि बच्चों के साथ ना अप्लाई करें।

जुनवानी में बार खोलने की तैयारी का विरोध : विधायक रिकेश सेन ने आबकारी सचिव को लिखा पत्र

जनदर्शन में पहुंची शिकायत के बाद विधायक की त्वरित कार्रवाई, सघन आबादी और शैक्षणिक संस्थानों का दिया हवाला

भिलाई नगर। भिलाई के जुनवानी क्षेत्र में रानी अवंती बाई सरोवर के समीप प्रस्तावित बार (टीडीएस शाखा) को लेकर स्थानीय निवासियों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। शनिवार को आयोजित जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे रहवासियों ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से इसकी शिकायत की। जनभावनाओं और क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विधायक सेन ने तत्काल आबकारी विभाग के सचिव को पत्र लिखकर यहाँ बार का लाइसेंस न देने की अनुशंसा की है।

सघन आबादी और संस्थानों का हवाला

विधायक को सौंपे गए ज्ञापन में निवासियों ने बताया कि जिस कॉम्प्लेक्स में बार खोलने की चर्चा है, उसके ग्राउंड फ्लोर पर बैंक संचालित है। यह पूरा इलाका सघन आबादी वाला है और यहाँ प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन रहता है। इसके अतिरिक्त, समीप ही रानी अवंती बाई सरोवर, धार्मिक स्थल और प्रमुख शैक्षणिक संस्थान स्थित हैं।

अपराध बढ़ने की आशंका

शिकायतकर्ताओं ने विधायक के समक्ष आशंका जताई कि यदि इस रिहायशी इलाके में बार खुलता है, तो देर रात तक असमाजिक तत्वों का जमावड़ा रहेगा। इससे क्षेत्र की शांति भंग होगी और महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा सकता है। लोगों का कहना है कि बार के कारण आसपास के माहौल में आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है।

विधायक ने जताई कड़ी आपत्ति

जनदर्शन में जनहित के इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए विधायक रिकेश सेन ने मौके से ही आबकारी विभाग के आला अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि जनहित और सुरक्षा की दृष्टि से इस संवेदनशील स्थान पर बार (टीडीएस ब्रांच) का लाइसेंस जारी करना उचित नहीं होगा। विधायक के इस कदम का स्थानीय नागरिकों ने स्वागत किया है।

कई जिलों में नेटवर्क फंडिंग की जांच, चर्च और कई इंस्टीट्यूट राडार में

■ ग्राम धर्मापुर में चर्च संचालन और नाबालिगों के रखने पर पुलिस की कार्रवाई

राजनांदगांव। ग्राम धर्मापुर में चर्च संचालन और नाबालिगों को रखने के मामले में आखिरकार पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। इसमें आरोपी डेविड चाको के विरुद्ध छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 3, 4 एवं 5 के तहत प्रकरण तैयार किया गया है। वहीं पुलिस ने जांच जारी रखी है, इसमें सैंकड़ों की संख्या में लोगों की संलिप्ता सामने आ रही है। इसलिए कार्रवाई का दायरा बढ़ेगा। वहीं विदेशों से मिलने फंडिंग भी पुलिस जांच का अहम हिस्सा इससे जांचने के लिए पुलिस ने जिन लोगों का नाम सामने आया है, उन्हें सैलरी कहां से मिल रही उसकी डिटेल खंगाली जा रही है। ताकि फंडिंग का पूरा ब्यौरा सामने आ सके। ज्ञात हो कि 8 जनवरी 2026 को यह मामला सामने आया, जिसमें पता चला कि शहर से लगे ग्राम धर्मापुर में एक बिल्डिंग में आश्रम-चर्च संचालन किया जा रहा है। वहीं यहां कांकेर जिले के कई नाबालिगों को लाकर रखा गया है। इसके अलावा धर्मांतरण की बात भी सामने आई। हिंदू संगठनों ने इस पर हंगामचा मचाया और कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और इस पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण एवं चौंकाने वाले तथ्य प्राप्त हुए हैं। जांच के क्रम में आरोपी से संबंधित कई दस्तावेज, अभिलेख, रजिस्टर एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है। उसका प्रारंभिक परीक्षण से यह संकेत मिला है कि कथित धर्मांतरण गतिविधियां एक संगठित नेटवर्क के रूप में संचालित की जा रही थीं। जो केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं थीं।

प्रदेश के कई जिलों में फैला नेटवर्क

मिली जानकारी के अनुसार यह भी तथ्य सामने आए है कि यह मामला राजनांदगांव जिले तक ही सीमित नहीं है। बल्कि राज्य के विभिन्न जिलों में फै ला एक व्यापक नेटवर्क सक्रिय था7 प्रारंभिक जांच में सैकड़ों व्यक्तियों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पहले इस मामले को बड़े पैमाने का होना बताया जा रहा था और अब जांच के दौरान ऐसे कई क्लू भी पुलिस को मिले हैं, जिससे इसे नकारा नहीं जा सकता।

डिजिटल सबूत पुलिस को मिले, जब्त किए

बताया गया कि जांच के दौरान डिजिटल साक्ष्य भी प्राप्त किए गए हैं। इनमें लैपटॉप, टैबलेट, आई-पैड एवं मोबाइल फोन शामिल हैं। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से प्राप्त डिजिटल दस्तावेज, डेटा एवं प्रेजेंटेशन सामग्री के माध्यम से कई जानकारियां सामने आई हैं। इसके अतिरिक्त विवेचना के दौरान सोलर-आधारित प्रोजेक्टर भी जब्त किया गया है। इसकी अनुमानित कीमत हजारों डॉलर बताई जा रही है। ये उपकरण विशेष रूप से उन दूरस्थ क्षेत्रों में उपयोग किए जाते हैं, जहां विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं होती।

रोड निर्माण का भूमिपूजन फिर महापौर ने देखा सफाई और सप्लाई का काम

राजनांदगांव। आम जनता से रूबरू होने एवं मूलभूत सुविधा बिजली, पानी, सफाई तथा निर्माण कार्य का जायजा लेने महापौर मधुसूदन यादव वार्डो का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी के तहत सुबह उन्होंने नवागांव, मोतीपुर एवं रामनगर क्षेत्र का जायला लिया। इस दौरान उन्होंने वार्डवासियों की उपस्थिति में रामनगर में मदरसा रोड निर्माण का भूमिपूजन किया। नवागांव में साफ सफाई का जायजा लेकर महापौर श्री यादव नवागांव तालाब का ओव्हरफ्लो पानी निकासी के लिए नाली निर्माण हेतु निरीक्षण किया, ताकि पानी बस्ती में न भरे। इसके पश्चात उन्होंने मोतीपुर वार्ड नं. 7 व 8 का निरीक्षण किया। मोतीपुर, रामनगर क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर वार्डवासियों से रूबरू हुए और राम नगर में नाली निर्माण का निरीक्षण कर मदरसा रोड निर्माण के लिए विधिवत भूमिपूजन किए। उन्होंने कहा कि रोड निर्माण हो जाने से आवागमन में वार्डवासियों को सुविधा होगी। वार्डवासियों ने मदरसा रोड के आगे की बस्ती में सीमेंटीकरण करने, नाली निर्माण करने तथा लाईट लगाने की मांग किए। इसी प्रकार बीच में लगे विद्युत पोल को हटाने और मंदिर में शेड लगाने की भी मांग की। जिस पर महापौर यादव ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सभी कार्य कराये जाएगे। उन्होंने एसआईआर के संबंध में भी लोगों से जानकारी लिए। पानी, सफाई की चर्चा कर स्वास्थ्य अमला को निर्धारित समय तक नियमित रूप से साफ सफाई करने तथा काई तालाब के आस पास भी सफाई करने व कचरा तालाब में नही डालने समझाईस देने कहा।

कलेक्टर पहुंची ग्राम टेमरी संस्थानों का किया निरीक्षण

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने आज महामहिम राज्यपाल द्वारा गोद लिए ग्राम टेमरी पहुंची । इस दौरान उन्होंने यहां संचालित लोक सेवा केंद्र का निरीक्षण कर नागरिकों को मिल रही जन सुविधाओं का बारीकी से जानकारी ली। कलेक्टर ने केंद्र संचालक को निर्देशित करते हुए कहा कि नागरिकों को उनकी निर्धारित सेवा सहज उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्धारित दर तय करें और सेवा के आधार पर शुल्क लेवें।

आयुष्मान आरोग्य केंद्र का निरीक्षण - कलेक्टर ने इस दौरान ग्राम टेमरी में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण करते हुए कहा कि महिलाओं एवं बच्चों को विशेष स्वास्थ्य सेवा लाभ मिलनी चाहिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान प्रसव कक्ष, दवाई वितरण कक्ष सहित ओपीडी का निरीक्षण की। कलेक्टर ने उपस्थित चिकित्सकों को संवेदना के साथ मरीजों का उपचार करने निर्देशित की।

नव निर्माण महिला सदन का निरीक्षण : कलेक्टर सुश्री ममगाई ने इस दौरान महिला आजीविका के लिए बनाए जा रहे महिला सदन का भी निरीक्षण की कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह केंद्र महिलाओं के समग्र कल्याण के लिए सेतु का कार्य करेगा। इसे ध्यान में रखकर गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देशित की।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र टेमरी का किया औचक निरीक्षण - कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आज धान खरीदी केंद्र टेमरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासन के गाईड लाईन अनुसार धान खरीदी की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने खरीदी प्रक्रिया, धान की गुणवत्ता, बारदाना की उपलब्धता, तुलाई, भंडारण, उठाव तथा किसानों को दी जा रही सुविधाओं की गहन समीक्षा की। धान विक्रय करने आए किसानों को कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि सभी किसानों से उनकी धान की खरीदी बोए गए रकबा पर होगी। किसी भी किसान को धान विक्रय के लिए परेशान नहीं होने भरोसा दिलाई।

किसानों से संवाद कर जानी जमीनी स्थिति - निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने केंद्रों में उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर टोकन वितरण, तुलाई की गति, बारदाना उपलब्धता, भुगतान प्रक्रिया एवं खरीदी से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

मोदी की गारंटी पूरा कराने व ई-अटेंडेंस के खिलाफ शिक्षकों की 17 आज के आंदोलन को पूर्ण समर्थन : शंकर साहू

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फे डरेशन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू, प्रदेश सचिव अशोक कुमार ने सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फे डरेशन छ. ग. द्वारा 17 जनवरी के एक दिवसीय आंदोलन का समर्थन किया है। प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने कहा कि मोदी जी के गारंटी एवं एल. बी. संवर्ग के शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करके समस्त लाभ देने की बात हम कर रहे है, हमारा संगठन फे डरेशन के निम्न मांगो का समर्थन करते है- एल. बी. संवर्ग के शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना कर क्रमोन्नत वेतनमान प्रदान करते हुए सरकार समस्त लाभ प्रदान किया जाये। वर्षो से लंबित सहायक शिक्षक साथियों के वेतन विसंगति दूर किया जाये। प्रदेश में कार्यरत एल. बी. संवर्ग के शिक्षकों के उपस्थिति के लिए वी.एस.के. एप की अनिवार्यता बंद किया जाये, सरकार को उपस्थिति लेनी है तो बायोमेट्रीक मशीन से उपस्थिति ले। टी.ई.टी.की अनिवार्यता समाप्त करके सरकार आवश्यक पहल निकाले। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फे डरेशन के प्रदेश संरक्षक रेखराज साहू, अनिल कुमार रामटेके, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र लाल देवदास, संजय कुमार मेहर, दीपक प्रकाश, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक हीना कश्यप, प्रदेश प्रवक्ता- हेमलता बढ़ाई, प्रदेश मीडिया प्रभारी- रमेश कुमार साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष- प्रेमचंद सोनवानी, आनंद कुमार साहू, भुनेश्वरी सहारे,सूर्य लाल साहू, लीलाधर कोलियारे, प्रदेश महासचिव- भूपेंद्र कुमार साहू, रत्नाकर खूंटिया, अनुपमा सोनी, प्रदेश संगठन मंत्री अश्वनी कुमार देशलहरे, कमलकान्त नेताम, दुर्ग संभाग प्रभारी नरेंद्र कुमार साहू, सरगुजा संभाग प्रभारी व जशपुर जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव, मुंगेली जिला अध्यक्ष राजकुमार धृतलहरे, मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिला अध्यक्ष राजकुमार सरजारे।

आस्था, परंपरा और पुण्य का संगम-जैतपुरी रामचूवा

बेमेतरा। कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत बोड़ला अंतर्गत ग्राम पंचायत जैतपुरी (रामचूवा) में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित मकर संक्रांति स्नान मेला में बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने नर्मदा मइया की पावन धारा में स्नान-पूजन कर तथा श्रीराम-जानकी मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पर्व हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। नर्मदा मइया की यह पावन भूमि केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का भी केंद्र है। ऐसी परंपराएँ हमारी पहचान को सशक्त बनाती हैं और समाज को एक सूत्र में बांधती हैं। उन्होंने कहा कि जैतपुरी (रामचूवा) क्षेत्र की आध्यात्मिक ऊर्जा मन को शांति और सकारात्मकता से भर देती है। मकर संक्रांति का पर्व नई ऊर्जा, नव संकल्प और भाईचारे का संदेश देता है। विधायक साहू ने इस अवसर पर आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों ने विधायक दीपेश साहू का आत्मीय स्वागत किया। अंत में विधायक साहू ने सभी क्षेत्रवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ देते हुए कामना की कि नर्मदा मइया सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और प्रदेश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर हो। इस दौरान धर्मलाल साहू जिला अध्यक्ष साहू समाज,उपाध्यक्ष कौशल साहू महामंत्री खिलेश्वर साहू पतिराम साहू मनीराम साहू लोकचंद साहू कृष्णा साहू मिलूराम साहू गुलाब साहू पिंटू नरेश साहू राजेश साहू शालिकराम सावधान श्याम साहू योग साहू रज्जू साहू शत्रुघ्न साहू राजेश पटेल दिनेश साहू परमेश्वर साहू सहित साहू समाज के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता क्षेत्र वासी और श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

कृष्णा हास्पिटल पहुंची पुलिस टीम, कुमुद हास्पिटल की भी जांच जरूरी, सीएमएचओ की शिकायत की तैयारी

राजनांदगांव। नाबालिग की डिलीवरी मामले में अब कृष्णा हास्पिटल पर शिंकजा कसता नजर आ रहा है। इसे लेकर शुक्रवार को पुलिस की टीम जीई रोड स्थित हास्पिटल में जांच करने पहुंची है। पहले ही हास्पिटल के कारनामे को लेकर चर्चा हो रही थी। क्योंकि पहले ही यह साफ हो चुका है कि कृष्णा हास्पिटल में ही नाबालिग की डिलीवरी कराई गई। इसके बाद नियमों का पालन नहीं किया गया, जिस पर कार्रवाई होना तय माना जा रहा है। वहीं मामले की जानकारी स्वाथ्य विभाग को होने के बाद भी इस पर एक्शन नहीं लिया गया। इसे लेकर अब सीएमएचओ की शिकायत जिला और राज्य स्तर पर करने की तैयारी की जा रही है। ज्ञात हो कि इस मामले को तकरीबन ढाई से तीन महीने का समय बीत गया। इस पर विभागीय अमले ने संज्ञान नहीं लिया। जब इसकी जांच पुलिस से शुरू की तब पूरा मामला उजागर हुआ है। पुलिस ने अब तक इसमें पांच लोगों की गिरफ्तारी कर ली है। मामले के कृष्णा हास्पिटल पर कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।

कार्रवाई की जद में आएगा प्रबंधन और डॉक्टर - इस पूरे प्रकरण को देखा जाए तो पाक्सो एक्ट का पालन नाबालिग की डिलीवरी के दौरान नहीं किया गया। इस कारण इसमें डिलीवरी कराने वाले डॉक्टर, सम्मिलित स्टाफ और अस्पताल प्रबंधन आएगा। क्योंकि औपचारिकता पूरी करना प्रबंधन का काम है, जिसे दरकिनार किया गया। इसलिए इन सब तक कार्रवाई होना तय है। इस बारे में एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र नायक ने बताया कि प्रकरण में कृष्णा हास्पिटल का भी नाम सामने आया है, उस आधार पर पुलिस टीम जांच करने पहुंची है।

शिकायत कर पल्ला नहीं झाड़ सकता कुमुद हास्पिटल

नाबालिग की डिलीवरी के बाद नवजात को बल्देव बाग स्थित कुमुद हास्पिटल में एडिमिट किया गया। वहां इलाज के दौरान उसका फर्जी तरीके से जन्म प्रमाणपत्र बनवाया गया। इसमें स्टाफ कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। लेकिन हास्पिटल प्रबंधन ने दिसंबर महीने में एक शिकायत इस संबंध में सिटी कोतवाली में दे दी। ताकि वह कार्रवाई से बच सके। लेकिन यदि हास्पिटल से फर्जी कार्य हुआ है तो इसमें प्रबंधन की जिम्मेदारी कैसे तय नहीं की जाएगी, यह बड़ा सवाल है।

जिला साहू संघ अध्यक्ष चुनाव पर घमासान हाईकोर्ट के निर्देश पर तीन माह में होगी जांच

बेमेतरा। जिला साहू संघ बेमेतरा के अध्यक्ष पद के चुनाव की वैधानिकता पर गंभीर सवाल उठने के बाद मामला माननीय उच्च न्यायालय तक पहुंचा, जहां से निर्देश मिलने के पश्चात अब रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, छत्तीसगढ़ द्वारा पूरे प्रकरण की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाएगी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद इस मामले ने न केवल सामाजिक बल्कि कानूनी रूप से भी तूल पकड़ लिया है। दरअसल, 9 दिसंबर को जिला साहू संघ बेमेतरा के अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ था। इस चुनाव में चार प्रत्याशी–गेंदराम साहू, नारद साहू, शत्रुहन सिंह साहू और प्रमोद साहू–मैदान में थे। मतगणना के बाद नारद साहू को विजयी घोषित किया गया। हालांकि, चुनाव से पहले ही मतदाता सूची, सदस्यता और चुनाव प्रक्रिया को लेकर विवाद शुरू हो चुका था, जो अब विधिक जांच के दायरे में आ गया है। इस मामले में याचिकाकर्ता गेंदराम साहू ने संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया कि जिला साहू संघ बेमेतरा के चुनाव संचालन में समाज के बायलॉज और निर्धारित नियमों की अनदेखी की गई है। याचिका में कहा गया है कि नियमों के विपरीत आजीवन सदस्य बनाए गए, मतदाता सूची में अनियमितताएं हुई और घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित प्रारूप का पालन नहीं किया गया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान माननीय उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नरेंद्र कुमार व्यास ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि न्यायालय ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने निर्देश दिए कि रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, छत्तीसगढ़ इस पूरे मामले की जांच स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से करें तथा याचिकाकर्ता की प्रथम उपस्थिति की तिथि से अधिकतम तीन माह की अवधि के भीतर सभी पक्षों को सुनवाई का अवसर देते हुए विधि अनुसार कार्यवाही पूर्ण करें। याचिकाकर्ता पक्ष का कहना है कि जिला साहू संघ छत्तीसगढ़ सोसायटी पंजीयन अधिनियम 1973 के अंतर्गत पंजीकृत संस्था है, जिसे पूर्व में 'छत्तीसगढ़ साहू संघ' के नाम से जाना जाता था और बाद में संशोधित कर 'छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ' किया गया। ऐसे में संस्था के संविधान और बायलॉज का पालन अनिवार्य है, जिसे नजरअंदाज कर चुनाव कराए गए। बहरहाल अब पूरे जिले और साहू समाज की नजरें रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं की जांच और आने वाले फै सले पर टिकी हुई हैं, जो जिला साहू संघ की भावी दिशा और नेतृत्व तय करेगा।

अवैधानिक तरीके से कराए गए चुनाव, समाज में नाराजगी : गेंदराम

गेंदराम साहू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं की जानकारी पहले ही प्रदेश संगठन को दी थी। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा 2024 तक की सूची के आधार पर चुनाव कराने का पत्र जारी किया गया था, लेकिन उसी के विपरीत जाकर चुनाव प्रक्रिया अपनाई गई। उन्होंने दावा किया कि अवैधानिक तरीके से कराए गए चुनाव से समाज में नाराजगी और असंतोष है तथा अंतिम निर्णय आने तक वे स्वयं को वर्तमान अध्यक्ष मानते हैं और किसी को भी प्रभार नहीं सौंपा जाएगा।

कुछ लोग समाज में भ्रम फै लाने का प्रयास कर रहे हैं :नारद साहू

वहीं, निर्वाचित घोषित अध्यक्ष नारद साहू ने चुनाव को पूरी तरह विधिसम्मत बताते हुए कहा कि कुछ लोग समाज में भ्रम फै लाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि माननीय उच्च न्यायालय ने याचिका के गुण-दोष पर कोई निर्णय नहीं दिया है, बल्कि केवल रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं को दोनों पक्षों को सुनकर तीन माह के भीतर जांच पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com